RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

# सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक:02 ता. 25 जून 2024, मंगलवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत ( गुजरात ) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi


## पहला कॉलम

### केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का शपथ ग्रहण.....नीट-नीट के लगे नारे

**नई दिल्ली।** आम चुनावों के बाद पहला लोकसभा सत्र सोमवार से शुरू हुआ है, हालांकि नीट परीक्षा विवाद के बीच हंगामे के आसार बने हुए हैं। सत्र में नवनिर्वाचित सांसदों का शपथ ग्रहण और निचले सदन के अध्यक्ष का चुनाव होगा। पीएम मोदी 2 जुलाई को लोकसभा को संबोधित करने वाले है। इसके पहले सोमवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान जब सांसद के रूप में शपथ ले रहे थे, तब विपक्षी सांसदों ने नीट-नीट के नारे लगाने शुरू कर दिए। दरअसल नीट परीक्षा को लेकर भी विपक्ष लगातार शिक्षा मंत्री को घेर रहा है। नीट यूजी पेपर लीक विवाद के बीच 18वीं लोकसभा का पहला सत्र शुरू होने जा रहा है, इसका असर कार्यवाही पर पड़ सकता है। विपक्ष ने नीट को एक घोटाला करार देकर मेडिकल प्रवेश परीक्षा आयोजित करने के लिए जिम्मेदार राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) की दक्षता पर चिंता जाहिर की है।

### पेपर लीक मामले में चल रही जांच, दोषियों को भेजा जाएगा जेल-चौधरी

**पटना।** नीट पेपर लीक मामले पर पूरे देश में बवाल मचा हुआ है। इसको लेकर छात्र और विपक्ष लगातार सरकार पर हमलावर है। वहीं बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि नीट परीक्षा में पेपर लीक मामले से जुड़े कई पहलुओं की जांच की जा रही है इसमें दोषियों पाए जाने वालों को जेल भेजा जाएगा। बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई ने पिछले महीने एनटीए द्वारा आयोजित नीट-यूजी 2024 परीक्षा में पेपर लीक के मामले में मुख्य संदिग्ध सिकंदर यादवेंदु समेत 13 लोगों को गिरफ्तार किया था। बिहार पुलिस ने झारखंड के देवघर जिले से छह लोगों को भी पकड़ा था। जांच की प्रगति के बारे में पूछे जाने पर चौधरी ने पत्रकारों से कहा, जांच चल रही है। इसमें कौन लोग शामिल हैं? उन्होंने कैसे अनियमितताएं कीं? प्राथमिकी दर्ज कर सभी को जेल भेजा जाएगा।

### आंध्रप्रदेश की एनडीए सरकार ने चार टीवी चैनलों को किया बंद

**- वाईएसआरसीपी सांसद ने ट्राई को पत्र लिखकर की शिकायत**

**अमरावती।** लोकसभा और विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के बाद आंध्र प्रदेश में कुछ न्यूज चैनलों का प्रसारण बंद होने को लेकर विपक्षी दल वाईएसआरसीपी के सांसदों ने राज्य सरकार आरोप लगाए हैं, जिसके परिणामस्वरूप इन चैनलों का प्रसारण बाधित किया जा रहा है। चार टीवी चैनल को बंद करने का आरोप एनडीए सरकार पर लगाया गया है, जिसमें तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी), जनसेना और भाजपा शामिल है। वाईएसआरसीपी के राज्यसभा सदस्य एस निरंजन रेड्डी ने सरकार द्वारा चार स्थानीय न्यूज चैनलों के प्रसारण को बाधित करने को लेकर भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) से शिकायत की है। ट्राई को हाल ही में लिखे पत्र में रेड्डी ने दावा किया कि आंध्र प्रदेश केबल टीवी ऑपरेटर्स एसोसिएशन ने राज्य में टीडीपी के नेतृत्व वाली सरकार के दबाव के कारण चार चैनल का प्रसारण बंद कर दिया गया है। रेड्डी ने कहा कि वह नवगठित सरकार के दबाव और निर्देश पर कई न्यूज चैनलों का प्रसारण बंद करने के लिए आंध्र प्रदेश केबल टीवी ऑपरेटर्स एसोसिएशन द्वारा पारित अवैध प्रस्ताव को ट्राई के ध्यान में लाने के लिए मजबूर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन चार टीवी न्यूज चैनलों को बिना किसी कानूनी औचित्य या प्रक्रिया का पालन किये बगैर ही बाधित कर दिया है। प्रतिद्वंद्वियों द्वारा कई सालों से किए जा रहे नकारात्मक प्रचार के खिलाफ जवाबी विमर्श को प्रसारित करने के लिए वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने 2008 के आसपास टीवी चैनल की स्थापना की थी। इस बीच, गोदावरी क्षेत्र के एक स्थानीय मल्टी-सिस्टम ऑपरेटर ने पुष्टि की कि इन चार चैनलों को अवरुद्ध कर दिया गया है।

### देश का सबसे बड़ा हवाई अड्डा जेवर...कमर्शियल संचालन 6 माह बढ़ा

**नई दिल्ली ।** देश का सबसे बड़ा हवाई अड्डा यूपी के जेवर में निर्माणधीन है। अब इसके संचालन का इंतजार और बढ़ गया है। कमर्शियल संचालन की तारीख छह महीने आगे बढ़ाई गई है। अब अप्रैल 2025 में जेवर से कमर्शियल फ्लाइट उड़ान भरेंगी। अभी इसकी डेडलाइन 29 सितंबर 2024 थी। सोमवार को बैठक के दौरान इसकी घोषणा की गई है। यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड की ओर से बयान जारी किया गया। बयान में कहा गया कि कमर्शियल विमानों की उड़ान को छह महीने आगे बढ़ा दिया गया है। निर्माण कार्य करने वाली कंपनी ने कहा कि नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर निर्माण और विकास कार्य अग्रिम चरण में हैं। रनवे, यात्री टर्मिनल और नियंत्रण टॉवर पर काम तेजी से चल रहा है। हाल ही में ग्राउंड हैंडलिंग, कमर्शियल क्षेत्रों के लिए संचालन और महत्वपूर्ण रखरखाव अनुबंध किए गए हैं। जेवर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे की क्षमता 12 मिलियन यात्रियों की होगी। यह एयरपोर्ट भारत में अपनी श्रेणी का पहला हवाई अड्डा है, जो शुद्ध शून्य उत्सर्जन प्राप्त करेगा। यह टिकाऊ हवाई अड्डे के संचालन के लिए एक नया मानक तय करेगा। यूपी सरकार और निर्माण कंपनी ज्यूरिख इंटरनेशनल एयरपोर्ट के बीच करार हुआ था। सितंबर 2024 तक निर्माण पूरा होने की डेडलाइन तय हुई थी।

# सत्र के पहले दिन प्रोटेम स्पीकर ने दिलाई लोकसभा सदस्यता की शपथ

## -18वीं लोकसभा के पहले दिन ही हंगामा, विपक्ष ने निकाला मार्च

**नई दिल्ली।**

18वीं लोकसभा के पहला सत्र के पहले दिन आज सोमवार को प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब ने सभी नवनिर्वाचित सांसदों को बधाई देने के बाद सबसे पहले पीएम नरेंद्र मोदी को लोकसभा की सदस्यता की शपथ दिलाई। पीएम मोदी के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और फिर गृह मंत्री अमित शाह ने शपथ ली। उसके बाद अन्य नवनिर्वाचित सांसदों और मंत्रियों ने लोकसभा की सदस्यता की शपथ ली।

लोकसभा सत्र की शुरुआत से पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने सभी दलों के साथ मिलकर काम करने का आह्वान किया पर विपक्ष ने जिस तरह अपनी ताकत का प्रदर्शन किया उससे साफ हो गया है कि सरकार को कई मुद्दों पर घेरने विपक्षी दल पूरी तैयार में हैं। बता दें कि लोकसभा सत्र शुरू होने से पहले इंडिया गठबंधन के नेताओं ने संसद परिसर में संविधान की प्रति लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

इससे पहले पीएम मोदी ने संसद परिसर में अपने संबोधन के दौरान एक भारत श्रेष्ठ भारत की अनोखी तस्वीर प्रस्तुत की। जब पीएम मोदी पत्रकारों को संबोधित करने पहुंचे तो उनके साथ उत्तर से सांसद और केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, दक्षिण से सांसद और केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन, पश्चिम से सांसद और केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और उत्तर-पूर्व से सांसद और केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू मौजूद थे। पीएम मोदी ने कहा कि देश की जनता विपक्ष से संसद की गरिमा बनाए रखने की उम्मीद करती है ना कि नखरे, ड्रामा, नारेबाजी और व्यवधान डालने की। पीएम ने कहा कि देश को एक अच्छे और जिम्मेदार विपक्ष की जरुरत है। 18वीं लोकसभा के पहले सत्र के पहले दिन पीएम मोदी ने सभी नवनिर्वाचित सांसदों से इस सत्र का इस्तेमाल जनहित में करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सभी सांसदों से देश को बहुत अपेक्षाएं हैं। मैं सभी सांसदों से आग्रह करूंगा कि वे जनहित के लिए इस अवसर का उपयोग करें और जनहित में हर संभव कदम उठाएं। पीएम ने कहा कि देश की जनता विपक्ष से अच्छे कदमों की अपेक्षा रखती है। अब तक जो निराशा मिली है...इस 18वीं लोकसभा में देश का सामान्य नागरिक विपक्ष से अपेक्षा करता है कि वह जिम्मेवार विपक्ष के नाते अपनी भूमिका का निर्वाह करे, लोकतंत्र की गरिमा को बनाए रखने की देश उनसे अपेक्षा करता है...उन्होंने कहा कि मैं आशा करता हूं कि विपक्ष उसमें खरा उतरेगा। पीएम ने कहा कि आम जन अपेक्षा करती है कि बहस सदन में ही हो।

उन्होंने कहा इस 18वीं

लोकसभा में हमारे जो सांसद जीत कर आए हैं वह सामान्य जन की अपेक्षाओं को पूर्ण करने का प्रयास करेंगे। विकसित भारत के हमारे संकल्प को पूरा करना हम सबका दायित्व है कि हम मिलकर के उस दायित्व को निभाएं और जनता का विश्वास और मजबूत करें। लोकसभा चुनाव के नतीजों का उल्लेख करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत के संविधान के निर्दिष्ट दिशा-निर्देशों के अनुसार जन सामान्य के सपनों को पूरा करने के लिए देश की जनता ने एनडीए को लगातार तीसरी बार मौका दिया है।

# एनडीए और मोदी पर खड़गे का तंज.....रस्सी जल गई, बल नहीं गया

**नई दिल्ली।**

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधकर कहा कि प्रधानमंत्री ने 50 साल पहले के आपातकाल का जिक्र किया, लेकिन पिछले 10 सालों के उस 'अघोषित आपातकाल को भूल गए जिसका जनता ने इस चुनाव में अंत कर दिया है। उन्होंने कहा कि देश को उम्मीद थी कि संसद सत्र के पहले दिन प्रधानमंत्री नीट एवं अन्य परीक्षाओं में 'पेपर लीक जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर कुछ कहे।

दरअसल प्रधानमंत्री मोदी ने आपातकाल को लोकतंत्र पर लगा 'काला धब्बा करार देकर सोमवार को कहा कि इसको 50वीं बरसी के मौके पर देशवासी यह संकल्प लें कि भारत में फिर कभी कोई ऐसा कदम उठाने की हिम्मत नहीं करे। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी जी अपने रस्सी संबोधन में आज जरुरत से ज्यादा बोल गए। इस कहते हैं, रस्सी जल गई, बल नहीं गया।

उन्होंने कहा, देश को आशा थी कि मोदी जी महत्वपूर्ण मुद्दों पर कुछ कहे। नीट व अन्य भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक के बारे में युवाओं के प्रति कुछ सहानुभूति दिखाएंगे, पर उन्होंने अपनी सरकार की धांधली व भ्रष्टाचार के बारे में कोई जिम्मेदारी नहीं ली। हाल ही में हुई पश्चिम बंगाल की रेल दुर्घटना के बारे में भी मोदी जी मौन साधे रहे।

खरगे ने दावा किया, ''मणिपुर पिछले 13 महीनों से हिंसा की चपेट में है, पर मोदी जी न वहां गए और ना ही उन्होंने आज के

अपने भाषण में ताज़ा हिंसा के बारे में कोई चिंता जाहिर की है। असम व पूर्वोत्तर में बाढ़ हो, कमरतोड़ महँगाई हो, रुपये का गिरना हो, एग्जिट पोल-स्टॉक बाजार घोटाला हो- अगली जनगणना लंबे समय से मोदी सरकार ने लंबित रखी है, जातिगत जनगणना पर भी मोदी जी बिलकुल चुप थे। उन्होंने कहा, ''मोदी जी, आप विपक्ष को नसीहत दे रहे हैं। 50 साल पुराने आपातकाल की याद दिला रहे हैं, पिछले 10 साल के अघोषित आपातकाल को भूल गए जिसका जनता ने अंत कर दिया। खरगे का कहना था कि लोगों ने मोदी जी के खिलाफ जनमत दिया है, इसके बावजूद अगर वे प्रधानमंत्री बन गए हैं, तब उन्हें काम करना चाहिए।

# आरोपः शंभू बॉर्डर पर किसानों के प्रदर्शन स्थल पर कुछ लोगों ने किया हंगामा

**-बत्रा बोले-राजमार्ग खोलने का अनुरोध करने गए थे, व्यापार में हो रहा नुकसान**

**पटियाला।** पंजाब के पटियाला जिले में शंभू बॉर्डर पर मांगों के समर्थन में प्रदर्शन कर रहे किसानों ने आरोप लगाया है कि कुछ लोगों ने किसानों के प्रदर्शन स्थल पर हंगामा करने का प्रयास किया है। हालांकि इन आरोपों को उन लोगों ने खारिज कर दिया और कहा कि वे प्रदर्शन स्थल पर गए जरुरत थे, लेकिन वह अंबाला-लुधियाना राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध होने से हो रहे नुकसान के बारे में बता सकें। सुरक्षा बलों द्वारा किसानों को दिल्ली कूच करने से रोकने के बाद किसान 13 फरवरी से पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू और खनौरी बॉर्डर पर तम्बू तानकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इसका नेतृत्व संयुक्त किसान मोर्चा और किसान मजदूर मोर्चा ने किया है ताकि सरकार पर फसलों के लिए एमएसपी पर कानूनी गारंटी जैसी उनकी मांगों को स्वीकार करने के लिए दबाव डाला जा सके।

किसान मजदूर मोर्चा के नेता सरवन सिंह पंधेर ने दावा किया कि करीब 100 लोगों ने हंगामा करने की कोशिश की और शंभू बॉर्डर बिंदु पर किसानों के मंच पर कब्जा करने का प्रयास किया। प्रदर्शन स्थल पर गए व्यापारियों में शामिल अंबाला होलसेल क्लॉथ मर्चेंट्स एसोसिएशन के प्रमुख विशाल बत्रा ने आरोपों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि वह वहां किसानों से राजमार्ग खोलने का अनुरोध करने गए थे क्योंकि इससे व्यापार को नुकसान हो रहा है।

# विधानसभा ने प्रस्ताव पारित किया.....केरल का नया नाम होगा केरलम

## -केंद्र से मंजूरी के लिए भेजा

**तिरुवनंतपुरम ।**

केरल विधानसभा ने सर्वसम्मति से केरल राज्य का नाम केरलम करने का प्रस्ताव पारित हुआ है। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की ओर से पेश प्रस्ताव का कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दलों ने समर्थन किया। ऑल इंडिया मुस्लिम लीग के विधायक एन शमसुदीन ने इसमें संशोधन का प्रस्ताव रखा, इस बहुमत से खारिज किया गया। अब यह प्रस्ताव मंजूरी के लिए केंद्र सरकार को भेजा जाएगा। केंद्र की मंजूरी मिलते ही केरल का नाम केरलम होगा। बता दें कि पिछले साल 2023 में भी केरल विधानसभा की ओर से प्रस्ताव पारित कर केंद्र को भेजा गया था, लेकिन तकनीकी आपत्ति के कारण मंजूरी नहीं मिली थी।

संविधान के अनुच्छेद 3 में किसी राज्यों के गठन, क्षेत्र, बॉर्डर का नाम बदलने का प्रावधान है। विधानसभा से प्रस्ताव पास होने के बाद केंद्र संविधान की पहली अनुसूची में राज्य का नाम बदलने की सिफारिश करती है। अगस्त 2023 के पारित प्रस्ताव कहा गया था कि आठवीं अनुसूची के तहत सभी भाषाओं में नाम बदला जाए। सीएम विजयन ने बताया कि अब नए सिरे से प्रस्ताव लाया गया है, जो राज्य के लोगों की आकांक्षा के अनुरुप है।

उन्होंने कहा कि अभी मलायलम में केरल को केरलम कहा जाता है, मगर आधिकारिक रिकॉर्ड में केरल लिखा जा रहा है। इसका नाम बदलना जरूरी है।

बता दें कि देश में भाषा के आधार पर कई शहरों के नाम बदले गए हैं। इसके पहले 2011 में उड़ीसा का नाम बदलकर ओड़िशा किया है। उत्तराखंड के नाम भी दो बार बदले जा चुके हैं। उत्तरांचल और उत्तराखंड नाम को लेकर लंबे समय तक उलटफेर होता रहा। इसके अलावा बंबई, मदास, औरंगाबाद, फैजाबाद, मुगलसराय जैसे शहरों के नाम बदले गए हैं। 1995 में महाराष्ट्र की शिवसेना सरकार ने बंबई का नाम बदलकर मुंबई कर दिया। 1996 में मद्रास को नया नाम चेन्नई बना।

**राहुल ने दी गारंटी बोले-**

# 370 के खत्म होने के बाद जम्मू पहुंचा पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल...चर्चा शुरु

**नई दिल्ली ।**

पाकिस्तान का एक प्रतिनिधिमंडल जम्मू-कश्मीर में दो हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट का निरीक्षण करने के लिए जम्मू पहुंचा है। प्रतिनिधिमंडल का भारत दौरा सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) के तहत तटस्थ विशेषज्ञ कार्यवाही का हिस्सा है। 1960 की संधि के विवाद निपटान के तहत पांच साल से भी ज्यादा समय में किसी पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल की यह पहली जम्मू-कश्मीर यात्रा है। नौ साल की बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान द्वारा हस्ताक्षरित संधि में विश्व बैंक एक हस्ताक्षरकर्ता के रूप में शामिल है। इस डेलीगेशन के जम्मू आने के बाद चर्चा शुरू हो गई है कि क्या भारत-पाक के बीच रिश्तों की बर्फ अब पिघल रही है, जिसकी शहबाज शरीफ के पाक का पीएम बनने के बाद कई दफा चर्चा हुई है। धारा 370 को समाप्त करने के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में आई गिरावट से पहले तीन सदस्यीय पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल ने जनवरी 2019 में आखिरी बार सिंधु जल संधि के प्रावधानों के तहत पाकल दुल और लोअर कलनई जलविद्युत परियोजनाओं का निरीक्षण किया था। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानियों सहित आने वाले विशेषज्ञ केंद्र शासित प्रदेश में अपने प्रवास के दौरान चेनाब घाटी में किशनगंगा और रातले जलविद्युत परियोजनाओं का निरीक्षण करने वाले है। पाकिस्तान ने 2016 में विश्व बैंक से दो जलविद्युत परियोजनाओं के डिजाइन अपनी आपत्तियों के संबंध में तटस्थ विशेषज्ञ के माध्यम से समाधान की मांग की थी। बाद में पाकिस्तान ने मध्यस्थता न्यायालय के माध्यम से निर्णय लेने की मांग की। दूसरी ओर, भारत ने जोर दिया कि इस मुद्दे को केवल तटस्थ विशेषज्ञ कार्यवाही के माध्यम से हल किया जाना चाहिए। वार्ता विफल होने के बाद विश्व बैंक ने अक्टूबर 2022 में एक तटस्थ विशेषज्ञ और मध्यस्थता न्यायालय के अध्यक्ष की नियुक्ति की। जुलाई 2023 में मध्यस्थता न्यायालय ने फैसला सुनाया कि वह पाकिस्तान के मध्यस्थता के अनुरोध द्वारा निर्धारित विवादों पर विचार करने और उनका समाधान करने में सक्षम है।

# अरुणाचल और असम में भारी बारिश से बाढ़ की स्थिति

## केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने ली समीक्षा बैठक

**नई दिल्ली।**

अरुणाचल और असम में भारी बारिश के कारण सामान्य जन-जीवन अस्त व्यस्त है। प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि अरुणाचल की राजधानी ईटानगर में सुबह बादल फटने से कई जगह भूस्खलन हुआ और बाढ़ आ गई है। हालांकि, पिछले कुछ हफ्तों में अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश के बावजूद पिछले दो दिनों में मौसम में सुधार हुआ है। अभी बारिश का कोई पूर्वानुमान नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि बादल फटने की घटना सुबह करीब 10-30 बजे हुई, जिससे ईटानगर और आस-पास के इलाकों में कई जगह भूस्खलन हुआ। आपदा प्रबंधन अधिकारी ने बताया कि राजधानी की कनेक्टिविटी के लिए महत्वपूर्ण एनएच-415 पर बाढ़ जैसी स्थिति बन गई, जिससे कई वाहन फंस गए। ईटानगर में भारी बारिश के कारण एनर्जी पार्क और बैंक तिनाली इलाकों के आस-पास के घर जलमग्न हो गए। वहीं, जिला प्रशासन ने लोगों को नदियों या भूस्खलन वाले क्षेत्रों में ना जाने की सलाह दी है और भारी बारिश के कारण सुरक्षित क्षेत्रों में जाने का आग्रह किया है। आपदा प्रबंधन विभाग के सचिव दानी सालू ने बताया कि ईटानगर में कई सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं। एनएच-415 के कुछ हिस्से जलमग्न हो चुके हैं, जिससे यातायात बुरी तरह बाधित हुआ है। उन्होंने बताया कि अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। हालांकि, संपत्ति के नुकसान का आकलन विभागीय अधिकारियों द्वारा क्षेत्र मूल्यांकन के बाद होगा। इसके अलावा स्थानीय लोगों से मॉनसून के दौरान सावधानी बरतने को कहा गया है।

**असम में बाढ़ से हालात हुए बेकाबू**

असम में मॉनसून आने के बाद से ही लगातार भारी बारिश हो रही है, जिसके कारण कई इलाके जलमग्न हो गए हैं। हालांकि, असम में बाढ़ की स्थिति में सुधार हुआ है, क्योंकि आठ जिलों में बाढ़ से प्रभावित लोगों की संख्या घटकर दो लाख हो गई। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार, बाजाली, बारपेटा, कछार, दरंग, गोलपारा, कामरूप, करीमगंज और नलबाड़ी जिलों में 2,07,500 से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। वहीं करीमगंज बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित है, जहां 1.1 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। इसके बाद कछार में लगभग 52,500 और दरंग में करीब 30,000 नागरिक बाढ़ के पानी से प्रभावित हुए हैं। वहीं, शनिवार तक राज्य के 11 जिलों में 2.6 लाख से अधिक लोग बाढ़ से पीड़ित थे। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, इस साल बाढ़, भूस्खलन और तूफान में जान गंवाने वाले लोगों की कुल संख्या 39 है। इस बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बताया कि बाढ़ से निपटने कृषि, सिंचाई और पर्यटन को विकसित करने में मदद के लिए ब्रह्मपुत्र नदी के पानी को मोड़ने के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र में करीब 50 बड़े तालाब बनाए जाने चाहिए। शाह ने बाढ़ और जल प्रबंधन के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा प्रदान की गई उपग्रह इमेजरी के उपयोग पर भी जोर दिया है।

# प्री मानसून की पहली बारिश.....टप रहा राम मंदिर में पानी

## रामलला के प्रधान पुजारी आचार्य ने बताया

**अयोध्या ।**

रामलला का मंदिर 500 वर्षों के संघर्ष के बाद निर्माण होकर खड़ा है।

प्रभु रामलला का दर्शन उनके भव्य मंदिर में हो रहा है। लाखों करोड़ों राम भक्तों की आस्था के मंदिर में प्री मानसून की पहली बारिश में ही छत से बहुत ज्यादा पानी टपक रहा है। यह हम नहीं.. बल्कि यह दावा रामलला के प्रधान पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास कर रहे हैं। रामलला के प्रधान पुजारी आचार्य दास ने बीते दिनों रामलला के गर्भगृह से पानी निकासी को लेकर सवालिया निशान मंदिर निर्माण में लगी संस्था के ऊपर लगाया था और अब रामलला मंदिर में प्री मानसून की पहली बारिश ने निर्माण कार्य की पोल खोल दी है। रामलला के प्रधान पुजारी के अनुसार भगवान राम के भव्य मंदिर के गर्भगृह की छत बीते दिनों टपक रही थी, उस ठीक किया गया लेकिन अब पहली बारिश में भगवान के मंदिर के ठीक सामने पुजारी के बैठने के स्थान और जहां पर वीआईपी दर्शन के लिए लोग आते हैं, उस स्थल पर तेजी के साथ बारिश का पानी टपक रहा है।

यह नॉर्मल नहीं बहुत ज्यादा है, इस निकालने में भी कड़ी मशक्कत की गई। दास ने कहा कि यह आश्चर्यचकित करने वाली घटना है कि भगवान राम का भव्य मंदिर 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के बाद आमजन के लिए खोला गया है। प्री मानसून की पहली बारिश में रामलला के मंदिर की छत टपक रही है।

तेजी के साथ बारिश के पानी का रिसाव छत से हो रहा है। विश्व प्रसिद्ध मंदिर के निर्माण कार्य में बारिश के पानी का रिसाव आश्चर्यजनक है। उनका कहना है कि इससे साफ होता हैं कि निर्माण कार्य में लापरवाही हुई है। अब जहां गर्भगृह के सामने दर्शनस्थल पर जहां पुजारी बैठते हैं और जहां

से वीआईपी दर्शन होता है, उस मार्ग पर पानी भर गया था। रात में बारिश हुई और जब सुबह पुजारी भगवान के पूजन के लिए गए, तब वहां पर पानी भरा मिला, इस पानी को कड़ी मस्कत के बाद मंदिर परिसर से निकाला गया है। निर्माण कार्य में टाटा कंसल्टेंसी और एलएनटी कंपनी ने निर्माण कराया है, जिसमें देश के नामचीन इंजीनियरों ने अपना योगदान दिया है और प्री मानसून की पहली बारिश ने राम मंदिर निर्माण में लगी हुई कार्यदायी संस्थाओं की बड़ी लापरवाही सामने आई है।

## संक्षिप्त समाचार

### छत्तीसगढ़ की घटना चिंताजनक, निर्दोषों की तत्काल रिहाई हो-मायावती

**लखनऊ ।**

छत्तीसगढ़ राज्य में सतनामी आस्था के केंद्र अमर गुफा में असमाजिक तत्वों द्वारा तोड़फोड़ की घटना की भर्त्सना करते हुये बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने निर्दोषों की तत्काल रिहाई और शरारती तत्वों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई किये जाने की मांग की है। मायावती ने सोमवार को सिलसिलेवार ट्वीट कर कहा कि जय स्तंभ को काट कर फेंकना अति चिंताजनक है और जब सतनामी समाज के लोगों ने इस बारे में सीबीआई जांच की मांग की तो उन्हे ही आरोपी बना दिया गया। उनकी मांग है कि निर्दोषों की तत्काल रिहाई दोषियों की पहचान कर उन्हे उनके कृत्य की सजा दी जाये। उन्होने एक्स पर पोस्ट किया ÷छत्तीसगढ़ में सतनामी समाज के आस्था के केन्द्र गिरौदपुरी से लगा हुआ अमर गुफा में असामाजिक तत्वों के द्वारा परमपूज्य बाबा गुरूघासी दास जी के जय स्तंभ को काटकर फेंक दिया जाना अति-चिन्ताजनक।÷ मायावती ने कहा ÷इसके विरोध में सतनामी समाज द्वारा सीबीआई जांच की मांग को लेकर बलौदा बाजार में किये गये धरना प्रदर्शन के दौरान कलेक्टर परिसर में षड्यंत्रकारी असामाजिक तत्वों द्वारा की गई तोड़-फोड़ आदि की घटना भी अति निदंनीय है उक्त घटना की आड़ में शासन प्रशासन द्वारा निर्दोष सतनामी समाज के लोगों की गिरफ्तारी व मारपीट के ऊपर रोक लगाई जाये तथा उन्हें बिना शर्त तत्काल रिहा किया जाये व असली दोषियों के ऊपर जांच कर कार्यवाही की जाये।÷ गौरतलब है कि कि बलौदाबाजार में हुई हिंसक घटना को लेकर भी पुलिस ने कई आरोपियों को हिरासत में लिया हालांकि विपक्ष का कहना है कि छत्तीसगढ़ पुलिस बेगुनाहों पर कार्रवाई कर रही है।

### सिंधु जल संधिः तटस्थ विशेषज्ञों का प्रतिनिधिमंडल किश्तवाड़ के लिए रवाना

**जम्मू ।** सिंधु जल संधि के तहत भारत और पाकिस्तान का 38 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल सोमवार को किश्तवाड़ जिले के लिए रवाना हुआ। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व 'तटस्थ विशेषज्ञ मिशेल मार्क लिनो कर रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्यों में पाकिस्तान से पांच, भारत से 19, तटस्थ सदस्यों के अलावा फ्रांस और ब्रिटेन से दो-दो, कनाडा से तीन, केन्या, रूस, स्विट्जरलैंड, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका और डेनमार्क से एक-एक सदस्य शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर सरकार ने 'तटस्थ विशेषज्ञों' की यात्रा के लिए 25 संपर्क अधिकारी भी नियुक्त किए हैं। उन्होंने बताया कि यह यात्रा सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) के प्रावधानों के तहत आयोजित की गयी है। यह भारत और पाकिस्तान के बीच जल-वितरण संधि है। विश्व बैंक ने सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों में उपलब्ध जल का उपयोग करने के लिए व्यवस्थित तरीके अपनाने पर बल दिया गया है।

### नशीली दवाओं का कारोबार करने वाले सरगना सहित 11 अभियुक्त गिरफ्तार

**गाजीपुर ।** यूपी के गाजीपुर में संयुक्त टीम ने शहर में अवैध तरीकों से नशीली दवाओं का कारोबार करने वाले गिरोह के सरगना सहित 11 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से भारी मात्रा में दवाईयां, इंजेक्शन और नकदी बरामद हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी बिहार से प्रतिबंधित इंजेक्शन को 25 से 30 रुपये में खरीद कर लाते थे, उसके बाद 160 से 170 या उससे ज्यादा दामों पर नशे के आदी लोगों को बेचते थे। एसपी ने बताया कि सूचना मिली थी कि महुआबाग इलाके में मादक पदार्थों का कारोबार चलता है। पुलिस ने जब सूचना की जांच की, तब वहां कुछ संदिग्ध गतिविधियां मिली। पुलिस की संयुक्त टीम ने करीब 22.40 बजे जांच की। पुलिस ने ड्रग्स इंस्पेक्टर को भी मौके पर जांच के लिए बुलाया था। पुलिस ने 11 अभियुक्त को गिरफ्तार किया। इनके पास से नशीली इंजेक्शन बुप्रीरेज (बुप्रीनारफीन) 210 पीस, 2 एमएल एम्पुल (30 शीशी प्रत्येक 10 एमएल), ऐविल इंजेक्शन और 560 पीस निडल के साथ ही 180 पीस सिरिंज जब्त किया। पूछताछ के दौरान अभियुक्तों ने बताया कि वह लोग बिहार से नशीली दवाइयां और इंजेक्शन सस्ते दामों में खरीदते हैं। फिर उन्हें नशा करने वाले लोगों को ऊंची कीमत पर बेचते और लगाते हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए आरोपी स्तम नशे के आदी लोगों के इलाके में रहने वालों को अपना टारगेट बनाते थे। उन्हें शुरू में नशे के इंजेक्शन उपलब्ध कराते थे। एक इंजेक्शन का असर दो से तीन दिनों तक रहता है।

# सोशल मीडिया पर मंत्री रिजिजू ने कांग्रेस नेता को बताया बुद्धिमान

### -रमेश बोले-मेरी बुद्धिमत्ता का आपका प्रमाण एनटीए ग्रेडिंग जैसा तो नहीं

**नई दिल्ली।**

18वीं लोकसभा के पहले सत्र की शुरुआत हो गई। आज संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू और वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश के बीच सोशल मीडिया पर तीखी बहस हुई, इससे यह साफ हो गया है कि यह सत्र हंगामेदार रहेगा। रिजिजू ने संसद सत्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए नवनिर्वाचित विपक्षी सांसदों से सहयोग मांगा। जयराम रमेश ने मंत्री रिजिजू से अपनी बात पर अमल करने को कहा। रिजिजू ने जवाब दिया और कहा कि अगर वह सदन में सहयोग दें तो वह एक मूल्यवान संपत्ति हो सकते हैं। इसके बाद कांग्रेस नेता ने एनटीए की ग्रेस मार्क्स का संदर्भ देते हुए पलटवार किया। यह सब तब शुरू हुआ जब रिजिजू ने कहा कि वह सदस्यों की सहायता के लिए हमेशा उपलब्ध रहेंगे और सत्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए विपक्षी सदस्यों से समन्वय की उम्मीद करते हैं। रिजिजू ने ट्वीट किया कि 18वीं लोकसभा का पहला सत्र आज सोमवार से शुरू हो रहा है। मैं सभी नवनिर्वाचित सदस्यों का स्वागत करता हूं। संसदीय कार्य मंत्री के रूप में मैं सदस्यों की सहायता के लिए हमेशा उपलब्ध रहूंगा। मैं सदन को चलाने के लिए समन्वय की सकारात्मक रूप से प्रतीक्षा कर रहा हूं। संसद के शांतिपूर्ण और उत्पादक सत्र का आह्वान करते हुए रिजिजू ने कहा कि आज, जब नए माननीय सांसद अपनी प्रतिबद्धता की प्रतिज्ञा कर रहे हैं। मुझे आगे आने वाली बड़ी जिम्मेदारी याद आ रही है। पीएम मोदी के नेतृत्व में, आइए हम सब मिलकर अपने देश की प्रगति के लिए अथक प्रयास करें। रिजिजू की अपील पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने प्रतिक्रिया दी, जिन्होंने केंद्रीय मंत्री से अपनी बात पर अमल करने को कहा। रमेश ने ट्वीट किया कि श्रीमान मंत्री, काम शब्दों से ज्यादा ज़ोरदार होगा। अपनी बात पर अमल करें। जवाब में रिजिजू ने सहमति जताई और रमेश को बुद्धिमान सदस्य कहा और कहा कि अगर वह नए संसद सत्र के दौरान सकारात्मक योगदान दें तो वह लोकसभा के लिए मूल्यवान संपत्ति होंगे। उन्होंने कहा कि बिल्कुल जयरामड्रमेश जी। आप एक बुद्धिमान सदस्य हैं और यदि आप सकारात्मक योगदान देते हैं तो आप सदन के लिए एक मूल्यवान संपत्ति होंगे। संसदीय लोकतंत्र में राजनीतिक दलों के बीच मतभेद बने रहेंगे, लेकिन हम राष्ट्र की सेवा में एकजुट हैं।

# नीट मामले के मास्टरमाइंड किंगपिन को बचाने की कोशिश : मनोज झा

### -नीट पेपर लीक मामले में सियासत जारी

**पटना।**

एक तरफ नीट पेपर लीक मामले से लाखों बच्चों का भविष्य अंधकारमय हो गया है, वहीं दूसरी तरफ जांच के नाम पर सियासत जारी है। बिहार में इस मामले को लेकर सियासत गर्म है। इस पूरे मामले को लेकर राज्यसभा सांसद मनोज झा ने आरोप लगाया है कि इस पूरी प्रक्रिया में नीट मामले के मास्टरमाइंड किंगपिन को बचाने की कोशिश की जा रही है।

गौरतलब है कि इससे पहले भाजपा ने आरोपी कैंडिडेट सिकंदर के लिए सरकारी गेस्ट हाउस बुक कराने के तार तेजस्वी के पीएस से जोड़ने की कोशिश की थी, अब राजद ने पेपर लीक के मास्टरमाइंड संजीव मुखिया की पत्नी को जदयू नेता बताकर राजनीतिक गलियारे को गर्मा दिया है। दरअसल राष्ट्रीय जनता दल के एक्स अकाउंट में दो पोस्ट करते हुए इस मामले को उठाया गया है। इसमें संजीव मुखिया की पत्नी ममता देवी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, मंत्री श्रवण कुमार और नीरज कुमार के साथ दिखाई दे रही है। वहीं दूसरी पोस्ट में चिराग पासवान के आवास पर टिकट के साथ ममता देवी की फोटो को शेयर किया गया है, इसमें संजीव मुखिया भी दिखाई दे रहे हैं।

इस पूरे मामले में राजद के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने सीएम नीतीश कुमार पर गंभीर आरोप लगाए और बकायदा प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा, कि इस मामले के मास्टरमाइंड किंगपिन को बचाने की कोशिश हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले के मुख्य आरोपी संजीव मुखिया की पत्नी जेडीयू की सक्रिय नेता हैं, जो कि जेडीयू की टिकट पर चुनाव भी लड़ चुकी हैं। उन्होंने कहा कि आरोपी संजीव मुखिया की पत्नी के सीएम नीतीश कुमार के जिले से गहरे संबंध हैं। राज्यसभा सांसद झा ने तेजस्वी का नाम घसीटे जाने पर कहा, कि गेस्ट हाउस बुकिंग के लिए एक स्टोरी चलाई गई है, जिसके न कोई सबूत हैं और न ही कोई कागजात ही हैं। बातचीत के दौरान ही उन्होंने सवाल किया कि आखिर संजीव मुखिया को बाहर से ही जमानत कैसे मिल गई? उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि नालंदा के संजीव मुखिया गिरोह ने ही बीपीएससी द्वारा आयोजित तीसरे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा के पेपर भी लीक किए थे, लेकिन उस पर किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं हुई? उन्होंने आगे कहा कि उनके बेटे डॉक्टर शिव का नाम भी इसमें जुड़ा, लेकिन बिहार पुलिस ने तो उसे भी गिरफ्तार नहीं किया। अंत में चुटकी लेते हुए सांसद मनोज झा ने कहा कि सिकंदर यादवेंदु का नाम लालू यादव से महज इसलिए जोड़ दिया जाता है कि यादव उनके नाम के साथ जुड़ा हुआ है। यदि ऐसा ही है तो फिर नीरव मोदी तो मोदी के मौसेरे भाई हुए। इस तरह सांसद झा ने प्रेस वार्ता कर न सिर्फ प्रदेश की बल्कि देश की राजनीति में गर्माहट पैदा कर दी है।

# सरोगेट माताओं और उन बच्चों को गोद लेने वाले माता-पिता को भी मिलेगी लीव

**नई दिल्ली ।**

केंद्र की मोदी सरकार ने केंद्रीय सिविल सेवा (अवकाश) नियम, 1972 में बदलाव किया है। अब सरोगेट माताओं और उन बच्चों को गोद लेने वाले माता-पिता को भी चाइल्ड केयर लीव (बाल देखभाल अवकाश) मिलेगा। कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग ने 18 जून को चाइल्ड केयर लीव के संबंध में अधिसूचना जारी की थी। इसके बाद सरकारी कर्मचारी जो कि सरोगेसी करवा रही है और उसके दो से कम बच्चे हैं, उन्हें भी 180 दिन का मातृत्व अवकाश मिलेगा। गौरतलब है कि संशोधित नियमों के साथ, मोदी सरकार ने सरोगेसी मामलों में भी पितृत्व अवकाश की अनुमति दे दी है। नए नियमों के अनुसार, सरकारी नौकरी करने वाले पिता को भी 15 दिन का पितृत्व अवकाश मिलेगा, जिसने सरोगेसी के जरिए बच्चा पैदा किया है। यह छुट्टी बच्चे के जन्म के 6 महीने के अंदर ही ली जा सकती है और पिता के पहले से दो या उससे ज्यादा बच्चे नहीं होने चाहिए। गौरतलब है कि सरोगेसी को 2002 में कानूनी मान्यता मिल गई थी, लेकिन 2022 तक इसके लिए कोई खास नियम नहीं थे। फिर 2022 में सरोगेसी (विनियमन) नियम बनाए गए। फरवरी 2024 में, केंद्र ने इन नियमों में संशोधन किया, इसमें अब शादीशुदा कपल, अगर किसी एक साथी को कोई बीमारी है, तब डोनर से एग या स्पर्म ले सकते हैं।

सरोगेसी विनियमन नियम, 2022 में बदलाव के बाद, अब ये जरूरी है कि जिला चिकित्सा बोर्ड ये प्रमाणित करे कि पति या पत्नी में से किसी को कोई ऐसी बीमारी है जिसकी वजह से उन्हें डोनर से एग या स्पर्म लेना पड़े। सरकारी आदेश में बताया गया है कि अकेली महिलाएं (विधवा या तलाकशुदा) जो सरोगेसी करवाना चाहती हैं उन्हें अपने एग या स्पर्म और डोनर के शुक्राणु का ही इस्तेमाल करना होगा। ये बदलाव इसलिए हुए क्योंकि 2023 में सुप्रीम कोर्ट को देश से कई महिलाओं की याचिकाएं मिली थीं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐसी महिला को सरोगेसी की अनुमति दी थी जिसे जन्म से ही एक दुर्लभ बीमारी थी। इसके बाद मार्च 2023 में, केंद्र सरकार ने एक अधिसूचना जारी की थी जिसमें सरोगेसी कराने वाले दंपत्तियों के लिए दाता से अंडा या शुक्राणु लेने पर रोक लगा दी गई थी।

# कांग्रेस की कोशिश.....दिलावर को जल्द जेल भेजा जाए

### कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा का बयान

**टोंक ।**

राजस्थान में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बीच जुबानी जंग जारी है। सोमवार को टोंक में सभा के दौरान फिर से डोटासरा ने शिक्षा मंत्री दिलावर पर करारा हमला किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कोशिश करेगी कि हाई कोर्ट में दिलावर की गिरफ्तारी पर लगे स्टेट को हटाया जाए, ताकि दिलावर को जेल भेजा सके। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और नीट पेपर मुद्दे पर बीजेपी की डबल इंजन सरकार को भी घेरने की कोशिश की। बात दें कि कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा और मंत्री दिलावर के बीच जमकर बयान बाजी जारी हैं। दोनों ही नेता एक दूसरे पर तीखे व्यंग्य छोड़ने में लगे हुए हैं। सोमवार को कांग्रेस नेता दिलावर को जमकर आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि बीजेपी और आरएसएस की ऐसी मानसिकता वाले व्यक्ति को शिक्षा मंत्री क्यों बना रखा है? जिनके खिलाफ 14 मुकदमे दर्ज हैं, जो कि अपनी गिरफ्तारी पर हाई कोर्ट से स्टेट ले रखा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कोशिश करेगी कि हाई कोर्ट में दिलावर की गिरफ्तारी पर लगे स्टे को हटाया जाए, ताकि उन्हें सलाखों के पीछे भेजा जा सके। डोटासरा ने मुख्यमंत्री भजनलाल को फिर जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि 6 महीने में इस सरकार के भीतर कोई काम नहीं हुआ, यदि एक भी काम हुआ तब बताइए। उन्होंने कहा कि केवल सिर्फ घूमने और भाषण देने का काम होता है। उन्होंने कहा कि यदि मुख्यमंत्री के पास जाओ, तब कहा जाता है मुख्य सचिव के पास जाओ। प्रदेश में बिजली पानी संकट पर हाहाकार मच रहा है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं है। डोटासरा ने नीट पेपर के मामले में कहा कि परीक्षा को रद्द करने की जगह सीबीआई को मामले की जांच दी गई है, इससे युवाओं में युवाओं में आक्रोश है। डोटासरा के साथ कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी बीजेपी पर कई सियासी हमले किए। दोनों ही नेता जयपुर से कोटा जाते समय टोंक रुके, जहां उन्होंने मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा के उपचुनाव में कांग्रेस बड़ी मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगी और सभी सीटों पर जीत हासिल करेगी।

# आंध्र और बिहार को विशेष दर्जा देने में जल्द फैसला न करे सरकार

### -नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने केंद्र को दी सलाह

**नई दिल्ली।**

केंद्र सरकार को आंध्र प्रदेश और बिहार की विशेष दर्जा देने की मांग पर सोच समझकर विचार करना चाहिए। केंद्र कोई भी फैसला जल्दबाजी में न करे, क्योंकि इससे यह एक मिसाल कायम हो जाएगी। फिर बाकी राज्यों में भी ऐसी मांग उठने लगेगी और केंद्र के वित्तीय संसाधनों पर हद से ज्यादा जोर पड़ सकती है। यह बात नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष ने कही।आंध्रप्रदेश का विभाजन 2014 में हुआ और उससे अलग होकर एक नया राज्य तेलंगाना भारत के नक्शे पर उभरा। अब आंध्र प्रदेश का कहना है कि इस बंटवारे में उसे राजस्व का नुकसान हुआ है क्योंकि हैदराबाद तेलंगाना की राजधानी बन गया। इस आधार पर आंध्र को विशेष राज्य का दर्जा दिया जाना चाहिए। वहीं, बिहार 2005 से विशेष दर्जे की मांग कर रहा है, जब नीतीश कुमार पहली बार सीएम बने। बिहार की मांग के पीछे भी राज्य का बंटवारा ही है। 2000 में इससे अलग होकर झारखंड बना था, जो खनिज में समृद्ध है। इससे बिहार भी राजस्व के नुकसान की बात कहकर विशेष राज्य का दर्जा हासिल करना चाहता है। नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने एक साक्षात्कार में कहा है कि बिहार और आंध्र प्रदेश काफी लंबे समय से विशेष राज्य के दर्जे की मांग कर रहे हैं। लेकिन, केंद्र को इस पर सोच समझकर विचार करने की जरूरत है। केंद्र को आर्थिक मानदंडों की बारीकी से जांच करनी होगी, जिसके आधार पर यह मांग की जा रही है। उन्होंने कहा कि अगर आप जल्दबाजी में विशेष राज्य का दर्जा देते हैं, तो यह एक मिसाल कायम कर सकता है। फिर कई राज्य यही मांग करने लगेंगे, जिसे पूरा करना संभव नहीं होगा। विशेष दर्जा प्राप्त राज्यों को केंद्र से अतिरिक्त वित्तीय सहायता मिलती है। किसी भी सामान्य राज्य के मामले में केंद्र सरकार अपनी योजनाओं का सिर्फ 60 फीसदी खर्च उठाती है। बाकी 40 फीसदी राज्य सरकार को देना होता है लेकिन, विशेष दर्जा वाले राज्यों के मामले में केंद्र योजना का 90 फीसदी बोझ उठाती है। राज्य को सिर्फ 10 फीसदी देना होता है। ये राज्य अगर केंद्र से मिली राशि को एक साल में खर्च नहीं करते हैं तो वह अगले साल के लिए कैरी फॉरवर्ड हो जाती है। लेकिन, सामान्य राज्यों के मामले में वह राशि लैप्स हो जाती है।

# 2031-32.....तक देश में सड़कों का जाल बिछा देगी मोदी सरकार

**नई दिल्ली ।**

बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने 2031-32 तक लगभग 30,600 किलोमीटर राजमार्ग विकास योजना में निवेश के लिए कैबिनेट से मंजूरी मांगी है। पिछले सप्ताह वित्त मंत्रालय को सौंपी गई और सभी प्रमुख मंत्रालयों के साथ साझा की गई इस योजना में 18,000 किलोमीटर एक्सप्रेसवे और हाई-स्पीड कॉरिडोर का निर्माण, शहरों के आसपास 4,000 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों की डिकंजेशन और रणनीतिक और अंतरराष्ट्रीय सड़कों का निर्माण शामिल है। इसमें लगभग 35 प्रतिशत निवेश निजी क्षेत्र से आएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, राजमार्ग विकास के लिए मास्टर प्लान दो चरणों में प्रस्तावित किया गया है। सड़क परिवहन सचिव अनुराग जैन की अध्यक्षता में अंतर-मंत्रालयी बैठक में भाग लेने वाले अधिकारियों ने कहा कि केंद्रीय मंत्रालय ने 2028-29 तक चरण-1 के तहत सभी परियोजनाओं के लिए निविदा जारी करने और उन्हें 2031-32 तक पूरा करने के लिए रोडमैप को अंतिम रूप दे दिया है। 22 लाख करोड़ रुपये का अनुमान पहले चरण में शुरू की जाने वाली परियोजनाओं के लिए है। अंतरिम बजट में, मोदी सरकार ने मंत्रालय के लिए 2,78,000 करोड़ रुपये आवंटित किए थे, जो पिछले वित्तीय वर्ष से 2.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। दूसरे चरण में 28,400 किलोमीटर के विकास के लिए वित्तीय अनुमान बाद में निर्धारित किया जाएगा। योजना के अनुसार, चरण-2 के तहत खंडों की मंजूरी और आवंटन 2033-34 तक पूरा होगा, जबकि निर्माण 2036-37 तक पूरा होगा। सड़क मंत्रालय ने बताया कि जीएसटीएन डेटा के विश्लेषण से पता चला है कि 2021-22 में लगभग 73 प्रतिशत माल सड़क मार्ग से पहुंचाया गया।

## खाना-ए-काबा के चाबीधारक डॉ. सालेह अल-शैबी का निधन

रियाद। खाना-ए-काबा के सादिन यानी मुख्य चाबीधारक और देखभालकर्ता डॉक्टर सालेह अल-शैबी का 79 वर्ष की उम्र में शनिवार को निधन हो गया। उनका इंतकाल मक्का में हुआ। डॉ सालेह अल-शैबी विश्वविद्यालय के प्रोफेसर के पद से सेवानिवृत्त हुए थे और उन्होंने धर्म और इतिहास पर अनेक पुस्तकें लिखीं जो प्रकाशित भी हुईं। डॉ. सालेह बिन जैनुल आबिदीन अल-शैबी काबा के 109वें सादिन यानी देखभालकर्ता थे। जानकारी अनुसार डॉ सालेह जैनुल आबिदीन अल शैबी का इंतकाल मक्का में शनिवार को हो गया। वो 79 वर्ष के थे। डाक्टर सालेह अल-शैबी खाना-ए-काबा के सादिन ( मुख्य चाबीधारक ) थे। वो खाना-ए-काबा के अंदर मेंटेनेंस के कामों की जिम्मेदारी भी संभालते थे। डॉक्टर सालेह अल-शैबी साल 2013 से खाना-ए-काबा के 109वें सादिन के तौर पर जिम्मेदारी निभा रहे थे। डॉक्टर सालेह का जन्म सन 1945 में मक्का में हुआ था। उन्हें इस्लामिक शोधकार्य के लिए पीएचडी उपाधि प्रदान की गई थी। डॉ सालेह मक्का की उम्मुल कुरा युनिवर्सिटी में बतौर प्रोफेसर अपनी खिदमात दीं और वहीं से वो सेवानिवृत्त भी हुए। इस्लामिक इतिहास और अकीदे पर डॉ सालेह ने करीब एक दर्जन पुस्तकों का लेखन किया। डॉ सालेह अल-शैबी जैसी दुनियां की एक महान हस्ति का शनिवार को मक्का में देहांत हो गया। उनकी आखिरी रसूमात दूसरे दिन रविवार को अदा की गईं।

## इजरायल ने किए ताबड़तोड़ धमाके, 42 फिलिस्तीनियों की मौत

गाजा। गाजा में लगातार इजरायली हमले हो रहे हैं। हजारों लोगों की जान जा चुकी है। बीते रोज शहर के अलग अलग इलाकों में धमाके हुए हैं जिसमें 42 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई इजरायली युद्धक विमानों ने अल-शती शरणार्थी शिविर पर हमला किया जिसमें लगभग 18 लोग मारे गए और दर्जनों अन्य घायल हो गए। चिकित्सा सूत्रों ने कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावना है। नागरिक सुरक्षा दल अभी भी शव और घायलों को मलबे से निकालने की कोशिश कर रहे हैं। शिविर खंडहर में बदल गया है। इजरायली सेना ने गाजा में हमास के एक वरिष्ठ कमांडर रएद साद को निशाना बनाया। अभी तक, उसकी मौत की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। हमास के संचालन के प्रमुख के रूप में पहचाने जाने वाले साद के बारे में माना जाता है कि वह मार्च में इजरायली छापे के दौरान गाजा शहर के अल-शिफा अस्पताल में था, लेकिन उस समय वह वहां नहीं मिला। गाजा में स्वास्थ्य अधिकारियों ने एक प्रेस बयान में कहा कि गुरुवार तक इजरायली सैन्य अभियानों में मरने वाले फिलिस्तीनियों की संख्या बढ़कर 37,431 हो गई है, जबकि 85,653 अन्य घायल हुए हैं। फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों ने कहा कि इजरायली युद्धक विमानों के अल-शती शरणार्थी शिविर पर हमले में सात घर नष्ट हो गए। हमास ने एक प्रेस बयान में कहा कि एक अन्य घटना में शनिवार को गाजा शहर के उत्तर-पूर्व में अल-तुफाह में घरों पर इजरायली हवाई हमलों के दौरान महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 24 फिलिस्तीनी मारे गए। इजरायली सेना ने शनिवार को एक प्रेस बयान में कहा कि उसके युद्धक विमानों ने गाजा शहर में हमास के दो सैन्य बुनियादी ढांचे पर हमला किया।

## घरों पर टपकने लगे चीनी रॉकेट के टुकड़े, लोगों में मची अफरा तफरी

बीजिंग। चीन और फ्रांस ने मिलकर संयुक्त रूप से लॉन्च किए गए उपग्रह ले जाने वाले लॉन्ग मार्च 2-सी रॉकेट में विस्फोट हो गया। इसका एक हिस्सा पृथ्वी पर एक आवासीय क्षेत्र में गिर गया। इससे लोगों में अफरा-तफरी मच गई। कुछ देर तक लोगों को लगा कि आसमान से कोई चीज धरती पर गिरी है। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें रॉकेट एक आबादी वाले इलाके में गिरता हुआ दिखाई दे रहा है।

यान का हिस्सा गिरने से लोगों में दहशत फैल गई और वे बचने के लिए इधर-उधर भागने लगे। चीन के राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन के अनुसार, यह उपग्रह अंतरिक्ष-आधारित मल्टी-बैंड वैरियबल ऑब्जेक्ट मॉनिटर (एसवीओएम) को दक्षिण पश्चिम चीन के सिचुआन प्रांत में जिचांग सैटेलाइट लॉन्च सेंटर से लॉन्ग मार्च -2 सी रॉकेट द्वारा प्रक्षेपित किया गया था। जानकारी के अनुसार, स्पेस वेरिएबल ऑब्जेक्ट मॉनिटर (एसवीओएम) नामक उपग्रह के साथ अंतरिक्ष यान ने 22 जून (स्थानीय समय) को सुबह 3.00 बजे जिचांग सैटेलाइट लॉन्च सेंटर से उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद रॉकेट का एक हिस्सा वापस धरती पर गिर गया। धरती पर रॉकेट का जो हिस्सा गिरा, उसे बूस्टर कहा जाता है। हालांकि, चीनी अधिकारियों ने मिशन को सफल घोषित करते हुए पुष्टि की कि उपग्रह अब तक का सबसे शक्तिशाली उपग्रह है और सफलतापूर्वक अपनी कक्षा में पहुंच गया है। चीन के राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन के अनुसार, उपग्रह का मिशन गामा-किरण विस्फोट सहित खगोलीय घटनाओं का अध्ययन करना है। यह चीन और फ्रांस द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया पहला खगोल विज्ञान उपग्रह है, जो अंतरिक्ष और चंद्र अन्वेषण में चीन की बढ़ती ताकत को दिखाता है।

## घनी दाढ़ी....के बाद इस देश में हिजाब पर लगा प्रतिबंध

दुशांबे। मध्य एशियाई देश ताजिकिस्तान ने 19 जून को संसद के ऊपरी सदन द्वारा विधेयक को मंजूरी देने के बाद हिजाब प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर ली है। रिपोर्ट के अनुसार, यह विधेयक संसद के ऊपरी सदन मजलिसी मिल्ली के 18वें सत्र के दौरान पारित किया गया, जिसकी अध्यक्षता इसके प्रमुख रुस्तम इमोमाली ने की। अपने विधेयक में, मिल्ली ने दो सबसे महत्वपूर्ण इस्लामी त्यौहारों - ईद-उल-फितर और ईद-उल-अज़हा के लिए विदेशी परिधान और बच्चों के जश्न पर प्रतिबंध लगा दिया। इन मुस्लिम त्यौहारों को ईदगरदक के नाम से जाना जाता है, जिसके दौरान बच्चे लोगों को बधाई देने के लिए अपनी गलियों में घरों में जाते हैं। 8 मई को, देश की संसद के निचले सदन मजलिसी नमोयंदगोन ने विधेयक को मंजूरी दे दी। यह पारंपरिक परिधानों, विशेष रूप से हिजाब, जो एक इस्लामी सिर का दुपट्टा है, पर लक्षित है। यह घटनाक्रम मजलिसी नमोयंदगोन द्वारा प्रशासनिक उल्लंघन संहिता में संशोधन को मंजूरी दिए जाने के बाद हुआ है। नए संशोधनों के अनुसार, कानून का उल्लंघन करने पर भारी जुर्माना लगाया जा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, सांसदों ने अपराधियों के लिए जुर्माना लगाया है, जो व्यक्तियों के लिए 7,920 सोमोनी से लेकर कानूनी संस्थाओं के लिए 39,500 सोमोनी तक है। इसके अलावा, सरकारी अधिकारियों और धार्मिक अधिकारियों पर दोषसिद्धि होने पर क्रमशः 54,000 सोमोनी से लेकर 57,600 सोमोनी तक का जुर्माना लगाया जाता है।

चीन ने जियांग उपग्रह प्रक्षेपण केन्द्र से एक लांग मार्च 2 सी रोकेट दागा।

## शहबाज शरीफ ने आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होने का किया आह्वान

इस्लामाबाद, । पाकिस्तान में तालिबान प्रायोजित आतंकियों के पैर जमाने के बीच पीएम शहबाज शरीफ ने कहा कि आतंकवाद से लड़ना सभी संस्थाओं की सामूहिक जिम्मेदारी है। एनएपी की बैठक को संबोधित करते हुए शरीफ ने कहा कि प्रांतों को भी देश में आतंकवाद से निपटने में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। यह शीर्ष समिति देश से आतंकवाद को खत्म करने के उद्यायों के कार्यान्वयन की देखरेख करने वाली सर्वोच्च संस्था है। पाकिस्तान पीएम शरीफ ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई हमारा सामूहिक कर्तव्य और देश की सभी संस्थाओं का प्राथमिक दायित्व है। यह आपके और मेरे बारे में नहीं, बल्कि हमारे बारे में है। हमें इसे मिलकर खत्म करना होगा। 16 दिसंबर, 2014 को पेशावर स्कूल हमले के मद्देनजर आतंकवाद को खत्म करने के लिए 20 सूत्री एनएपी एजेंडा सरकार द्वारा अपनाया गया था और विपक्षी दलों द्वारा अनुमोदित किया था। शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान पिछले दो दशकों से आतंकवाद का सामना कर रहा है और अपराध, मादक पदार्थ, तस्करी, उग्रवाद और धार्मिक आतंकवाद की संलिप्तता के कारण इससे निपटना जटिल है। शीर्ष समिति की बैठक ऐसे समय में हुई जब पाकिस्तान ने हाल में आतंकवादी कृत्यों में बढ़ोतरी का सामना किया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान में 2023 के दौरान 789 आतंकवादी हमलों और आतंक-रोधी अभियानों में 1,524 मौतें हुईं और 1,463 लोग घायल हो गए।

# बिना हाथ लगाए ताइवान को दबोच सकता है चीन

### -अमेरिका के थिंक टैंक ने चेताया, बढ़ी टेंशन

**वाशिंगटन (एजेंसी)।** वाशिंगटन के थिंक टैंक सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज (सीएसआईएस) की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों देशों के बीच कायम समुद्री सीमा में तनाव तेजी से बढ़ता दिख रहा है क्योंकि चीन ताइवान के खिलाफ क्वारंटाइन स्ट्रैटिजी अपना रहा है जिसके तहत ताइवान को अलग-थलग करने की रणनीतिक कोशिश साफ सामने है। चीन अमेरिका से सीधे सीधे टकराव को अवॉइड करते हुए ताइवान पर प्रेशर बढ़ा रहा है। अमेरिका हमेशा से ताइवान का पक्ष लेता रहा है। एक्सपर्ट मानते हैं कि चीन के साथ ताइवान के आर्थिक संबंधों के चलते चीन के इन कदमों से इंटरनेशनल रिलेशन्स और वैश्विक व्यापार पर बुरा असर पड़ेगा। इस रणनीति से चीन ताइवान को दुनिया से पूरी तरह कोटेगा नहीं बल्कि ताइवान के समुद्री और हवाई कॉमर्स पर कंट्रोल करने लग सकता है। खान पान और दवा जैसी जरुरी आवश्यकताएं ताइवान को मिलती रहेंगी जिससे चीन यह दावा कर सकेगा कि किसी तरह की कोई परेशानी है ही नहीं। मगर वह कुछ खास सेगमेंट की सप्लाई रोककर जैसे कि ताइवान को अमेरिकी हथियारों की शिपमेंट। वैसे जानकार मानते हैं कि चीन की इस रणनीति से ताइवान को अपनी स्वतंत्रता की आधिकारिक घोषणा करनी पड़ सकती है जिसका चीन हमेशा से जबरदस्त विरोध करता आया है।ताइवान की स्वतंत्रता के कट्टर समर्थकों के लिए बाकायदा दंड का ऐलान किया है। यहां तक कि 'विशेष रूप से गंभीर' मामलों के लिए मौत की सजा को शामिल करने की घोषणा तक कर दी थी और इस बारे में करने के बारे में एक नोटिस जारी किया था। ताइवान ने इस बीच कहा कि बीजिंग का 'पूरे ताइवान पर कोई कानूनी अधिकार क्षेत्र नहीं है' और उसके नियमों का 'हमारे लोगों को मानने के लिए कोई जबरदस्ती नहीं है।

# यूक्रेन के हमलों से ज़ापोरीज़िया परमाणु ऊर्जा संयंत्र खतरे में, रुस कर सकता है बड़ी कार्रवाई

**मॉस्को (एजेंसी)।** रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध अब अपने परिणाम की ओर बढ़ता नजर आ रहा है। दरअसल यूक्रेन ने ड्रोन हमले तेज कर दिए हैं, जिससे रूस खासा नाराज है और आशंका जाहिर की है कि इससे उसके परमाणु ऊर्जा संयंत्र को खतरा हो सकता है। इसके बाद रूस बड़ी कार्रवाई करने की स्थिति में आ गया है।

जानकारी अनुसार यूक्रेन के ड्रोन हमलों से परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर खतरा मंडरा रहा है। जापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र (जेडएनपीपी) के मुख्य नगर एनगोदार पर यूक्रेनी सशस्त्र बलों ने हाल ही में ड्रोन हमले किए थे। इन हमलों से परमाणु सुविधा की सुरक्षा के बारे में गंभीर चिंताएं खड़ी हो गई हैं। स्थानीय अधिकारियों ने शनिवार को इस संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि ड्रोन हमलों के चलते अनेक जगह की बिजली गुल हो गई थी। जेडएनपीपी के निदेशक यूरी चेर्निचुक का इस संबंध में कहना है कि शुक्रवार को रेडुगा सबस्टेशन पर ड्रोन हमले हुए जिस कारण जेडएनपीपी के कई डिवीजनों में बिजली चली गई, प्रभावित क्षेत्रों में प्रिंटिंग हाउस, पीने के पानी की आपूर्ति करने वाले पंप स्टेशन और उत्पादन और तकनीकी उपकरण प्रबंधन शामिल हैं। उन्होंने बताया कि यह हमला स्टेशन के संचालन के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर सीधा किया गया है। ऐसे में हमला जेडएनपीपी की सुरक्षा प्रभावित करता है।

# भविष्यवाणी: पहले भीषण गर्मी से लोग मरेंगे फिर बाढ़ बढ़ाएगी मुश्किलें

**पेरिस (एजेंसी)।** मशहूर भविष्यवक्ता नास्त्रेदमस ने 2024 को लेकर अपनी भविष्यवाणी में चेतावनी दी थी कि इस साल धरती पर जलवायु परिवर्तन का कहर टूटेगा। इसमें कहा गया है कि सूखी धरती और अधिक झुलस जाएगी और जब यह नजर आने लगेगा तो एक भयंकर बाढ़ आएगी। नास्त्रेदमस की भविष्यवाणी ग्रीनहाउस प्रभाव के कारण बढ़ते वैश्विक तापमान और गर्मी की लहर का संकेत हो सकता है। जिस तरह से धरती का तापमान इस समय तेजी से बढ़ रहा है, यह नास्त्रेदमस की भविष्यवाणी के बेहद करीब जाता दिखाई दे रहा है। बीते महीने को ही देखें तो इसने अब तक के सबसे गर्म मई होने का रिकॉर्ड बना लिया है। मई महीने में औसत वैश्विक तापमान 12.97 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया था, जो 1991-2020 के औसत से 0.65 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा है। वहीं, 1850-1900 के पूर्व औद्योगिक औसत से तुलना करें तो यह 1.52 डिग्री सेल्सियस गर्म रहा था। जुलाई 2023 के बाद से यह महीना लगातार 11वां महीना था, जो पेरिस समझौते द्वारा निर्धारित 1.5 डिग्री से ज्यादा गर्म रहा।

हालात ये हैं कि भारत समेत पूरी दुनिया में इस समय भीषण गर्मी पड़ रही है। सऊदी अरब में हज यात्रा के दौरान 1000 से ज्यादा मौतें हों या दक्षिण एशिया से लेकर दक्षिण पूर्व एशिया तक चल रही खतरनाक हीटवेव, इन सबके पीछे धरती का लगातार बढ़ता तापमान जिम्मेदार है। यूरोपीय जलवायु एजेंसी कॉपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस के अनुसार, मई 2024 अब तक रिकॉर्ड इतिहास में सबसे गर्म मई दर्ज की गई है। सिर्फ यही नहीं, यह लगातार 12वां महीना रहा है जब पृथ्वी का तापमान रिकॉर्ड रूप से उच्च दर्ज हुआ है। जून 2023 के बाद से हर महीने रिकॉर्ड स्तर पर सबसे गर्म रहा है। भयंकर पड़ रही गर्मी ने एक बार फिर मशहूर भविष्यवक्ता नास्त्रेदमस की उस भविष्यवाणी की चर्चा तेज कर दी है, जो उन्होंने साल 2024 के लिए की थी।

# अमेरिका में बाढ़ से घर छोड़ने को मजबूर लोग, कई क्षेत्र भीषण गर्मी झेल रहे

**वाशिंगटन (एजेंसी)।** अमेरिका के आयोवा राज्य में लगातार हो रही बारिश से आई बाढ़ ने लोगों को घर छोड़ने पर मजबूर कर दिया है। वहीं अमेरिका के ज्यादातर हिस्से अब भी भीषण गर्मी का सामना कर रहे हैं। आयोवा के रॉक वैली में सुबह सायरन बजने लगे और लोगों को घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए कहा गया। लोगों को बताया कि क्षेत्र की नदी 'रॉक' में बारिश के कारण जलस्तर बढ़ गया है और तटों को तोड़ते पानी शहर में घुस रहा है।

मेयर केविन वान ओटरलू ने कहा कि एक सरकारी हेलीकॉप्टर मदद के लिए आ रहा था लेकिन यह देखा गया कि नावें जलमग्न इलाकों में निवासियों तक पहुंचने में सक्षम हैं तो उसे वापस बुला लिया। उन्होंने कहा कि कल रात डेढ़ घंटे में चार इंच बारिश हुई। गवर्नर किम रेनॉल्ड्स ने उत्तरी आयोवा के 21 काउंटी के लिए आपदा की घोषणा की है, जिसमें सिउक्स काउंटी भी शामिल है और रॉक वैली भी।

स्थानीय शेरिफ ने ड्रोन से लिए वीडियो पोस्ट किए, जिसमें सड़क दिखाई नहीं दे रही, केवल छतें और पेड़ों की चोटियां पानी से ऊपर दिखाई दे रही हैं। अमेरिका के कई हिस्सों में तेज गर्मी और उमस के हालात भी बने हुए हैं। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने कहा कि करीब डेढ़ करोड़ लोग ऐसे स्थानों पर हैं जहां 'गर्मी की चेतावनी' जारी की गई है वहीं नौ करोड़ लोग ऐसे स्थान पर हैं जहां के लिए गर्मी की थोड़ी कम स्तर की चेतावनी जारी की गई है। देश भर में लाखों लोगों का जीवन तेज गर्मी के कारण अस्त-व्यस्त हो गया है।

# इजरायली सेना की दरिंदगी, घायल को बोनट पर बांधकर शहर में घुमाया

**जेनिन (एजेंसी)।** इजराइल और हमास के बीच युद्ध खत्म नहीं हो रहा है और यह युद्ध क्रूरता की हदें पार कर रहा है। इजरायली रक्षा बलों की दरिंदगी और हैवानियत लगातार दुनिया के सामने आ रही है। इजरायली सैन्य बलों ने पहले राहत शिविरों में सो रहे मासूमों पर बम बरसाकर उन्हें मौत की नींद सुला दिया और तबाही मचाई।

अब एक और घटना ने आईडीएफ के दावों की पोल खोल दी है। शनिवार को अपने कब्जे वाले पश्चिमी तट के शहर जेनिन में इजरायली रक्षा बलों ने एक घायल फिलिस्तीनी व्यक्ति को जीप के बोनट पर बांधकर शहर में घुमाया। इस घटना का वीडियो वायरल हो रहा है। और लोग इजराइल सेना की क्रूरता

की निंदा कर रहे हैं। घटना सामने आने के बाद इजरायल ने मामले में जांच शुरू करने का आदेश दिया है।

इजरायली रक्षा बलों की दरिंदगी दिखा रहे इस वीडियो में दिख रहा है कि एक फिलिस्तीनी युवक मुजाहिद आज़मी है, उसे एक जीप के बोनट पर बांधकर घुमाते हुए देखा जा सकता है। जीप दो एंबुलेंस को पार करते हुए आगे बढ़ते दिखाई दे रही है। उधर, इजरायली सेना ने कहा कि उसके सैन्य बलों पर गोलीबारी की गई और दोनों ओर से गोलीबारी हुई, जिसमें एक सैनिक घायल हो गया और उसे पकड़ लिया। सैनिकों ने सैन्य प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया। बयान में कहा गया है कि घटना के वीडियो में दिख रहे बलों का आचरण इजरायली सेना के मूल्यों के अनुरूप नहीं है और इस घटना की जांच की जाएगी तथा उससे निपटा जाएगा। सेना ने बताया कि व्यक्ति को उपचार के लिए चिकित्सकों के पास भेजा है।

उधर, आज़मी के परिवार के मुताबिक छापेमारी के दौरान यह घटना हुई। उनका कहना है कि आज़मी की गिरफ्तारी के लिए इजरायली सेना बड़ी संख्या में जबरन उनके घर में घुस गई। गोलीबारी के दौरान वह घायल हो गए। जब परिवार ने एम्बुलेंस की मांग की तो सेना जबरन उसे जीप के बोनट पर बांधकर अपने साथ ले गई।

## महिला को रास नहीं आया बिना काम पैसा, कंपनी पर लगाया केस, 20 साल तक दिया वेतन

पेरिस। दुनिया में कोई कंपनी बिना काम के वेतन नहीं दे सकती। फिर भी कोई कंपनी बिना काम किए अपने कर्मचारी को सैलरी दे, तो ये खुशकिस्मती ही कही जाएगी। लेकिन यहां सबकुछ उल्टा है। एक महिला ने केस इसलिए लगाया कि उसे बिना काम के 20 साल तक वेतन क्यों दिया गया। फ्रांसीसी महिला ने दूरसंचार दिग्गज कंपनी ऑरेंज पर हैरान कर देने वाला मुकदमा दायर किया है। दरअसल महिला ने कंपनी पर आरोप लगाया कि कंपनी ने उसे कोई काम नहीं दिया। इस दौरान कंपनी उसे सैलरी देती रही। लॉरेंस वैन वासेनहोवे का दावा है कि विकलांगता के कारण ट्रांसफर का अनुरोध करने के बाद कंपनी ने उसे प्रभावी रूप से किसी भी प्लान में शामिल करना बंद कर दिया। आंशिक पक्षाघात और मिर्गी से पीड़ित वासेनहोवे को कथित तौर पर 1993 में ऑरेंज के पूर्ववर्ती फ्रांस टेलीकॉम द्वारा काम पर रखा गया था। वह आंशिक रूप से लकवाग्रस्त हैं। शुरुआत में, उन्होंने अपनी सीमाओं के अनुरूप भूमिकाएं निभाईं, सचिव और मानव संसाधन के रूप में काम किया।

# ब्रिटेन पीएम की कंजर्वेटिव पार्टी के अधिकारी पर लगा सट्टेबाजी का आरोप

### -ऋषि सुनक सहयोगियों पर लगे आरोपों के बारे में सुनकर हुए दुखी

**लंदन (एजेंसी)।** ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी के एक अधिकारी पर सट्टेबाजी का आरोप लगा है। आरोप है कि अधिकारी ने आम चुनाव की तारीख का ऐलान होने से पहले ही उस पर सट्टा लगा दिया था, ब्रिटेन का जुआ आयोग इस बात की जांच कर रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटेन के जुआ आयोग ने पहले ही दो कंजर्वेटिव चुनाव उम्मीदवारों और पार्टी के अभियान निदेशक पर चार जुलाई के चुनाव की तिथि पर सट्टा लगाने के आरोप की जांच शुरू कर दी है।

अधिकारी का नाम निक मेसन बताया जा रहा है जो कंजर्वेटिव पार्टी में मुख्य डेटा अधिकारी है। मेसन ने अपने ऊपर लगे आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। रिपोर्ट में मेसन के प्रवक्ता के हवाले से कहा कि उन्होंने किसी भी तरह की गड़बड़ी से इनकार किया है। बताया जा रहा है मेसन अपने ऊपर आरोप लगने के बाद छुट्टी पर चले गए हैं।

घोटाले को लेकर बढ़ते आरोपों ने पीएम सुनक के विरोधी दल लेबर पार्टी को ऊपर हमला करने का मौका मिल गया है। वहीं, आम चुनाव में पहले से जनमत सर्वेक्षणों में पिछड़ रही सुनक की पार्टी को ये नया झटका लगा है। सुनक ने कहा कि वह अपने पार्टी सहयोगियों के खिलाफ आरोपों के बारे में सुनकर दुखी और उनसे नाराज हैं। वहीं, घोटाले में नामित कंजर्वेटिव उम्मीदवारों में से एक, क्रेग विलियम्स ने पहले ही इस गलती के लिए माफी मांग ली है और पार्टी के अभियान निदेशक टोनी ली ने छुट्टी ले ली है। दूसरी ओर सुनक के आवास मंत्री माइकल गोव ने एक साक्षात्कार में सट्टेबाजी के आरोपों की तुलना पार्टीगेट घोटाले से की। उन्होंने कहा कि यह सबसे अधिक नुकसानदायक है। गोव 14 सालों तक सांसद रहने के बाद इस चुनाव से हट रहे हैं। उन्होंने कहा कि पार्टीगेट के समय पार्टी को नुकसान हुआ था और यहां भी यह नुकसानदायक है।

## संपादकीय

### चार महादेशों का तपना

धरती के चार महादेश इतना तप रहे हैं कि लगता है, इस बार गर्मी तमाम कीर्तिमान तोड़ डालेगी। धूप या ताप से होने वाली मौतों को बहुत स्पष्टता से नहीं नापा जा सकता, फिर भी दुनिया में इस साल गर्मी की वजह से हजारों मौतें हुई हैं, इसके अलावा बड़ी संख्या में लोग बीमार पड़े हैं। सऊदी अरब में इतनी ज्यादा गर्मी पड़ रही है कि वहां 900 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है, जिनमें 70 से ज्यादा तो अकेले भारतीय हैं। वहां 51 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच जा रहा पारा हाजियों के लिए काल बन जा रहा है। मिस्र में 530 से ज्यादा लोग मारे गए हैं, तो भारत में 1 मार्च से 18 जून के बीच 40,000 से अधिक हीटस्ट्रोक के मामले आए हैं और 100 से ज्यादा लोग काल के गाल में समा गए हैं। लू से मौत केवल एशिया और अफ्रीका तक सीमित नहीं है, यूरोपीय देशों में भी मौत हो रही है और अमेरिका में भी। यूएस नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन के अर्थ ऑब्जर्वेटरी के मुताबिक, भूमध्य सागर के पास के देशों को भी प्रचंड उच्च तापमान का सामना करना पड़ रहा है, पुर्तगाल से ग्रीस और अल्जीरिया तक में जंगलों में आग लगी हुई है। वैज्ञानिक इस बात का एहसास करने लगे हैं कि दुनिया में बड़े पैमाने पर प्रयास करने पड़ेंगे, तभी अत्यधिक ताप से जीवन बचाया जा सकेगा। अपनी ठंड के लिए विख्यात न्यूयॉर्क का तपना तो और भी चिंताजनक है। जिन शहरों को कभी गर्मियों में खुशनुमा माना जाता था, वैसे शहर भारत से लेकर अमेरिका तक, अपनी पहचान खोते दिख रहे हैं। न्यूयॉर्क शहर में अनेक संस्थानों में शीतलन की व्यवस्था करनी पड़ी है, अनेक स्कूलों में बच्चों को दोपहर से पहले ही घर भेज दिया जा रहा है। अनेक अमेरिकी राज्यों में पारा 45 के पार पहुंच जा रहा है। न्यू मैक्सिको में भीषण गर्मी के चलते 23,000 एकड़ से अधिक भूमि जल गई और 500 से ज्यादा घर नष्ट हुए हैं। दुनिया के अनेक देशों में जंगल जल रहे हैं, जिनकी आग केवल भारी बारिश से ही बुझ सकती है। बढ़ता तापमान संकेत है कि दुनिया धीरे-धीरे असहनीय हो रही है। ऐसा क्यों हो रहा है? गर्मी आज बड़ा सवाल है, पर उसका हमारे पास क्या जवाब है? हमें गंभीरता से सोचना होगा? ऐसी गर्मी के लिए नेपाल जैसा देश जिम्मेदार है या अमेरिका जैसा सुपरपावर? जलवायु परिवर्तन का मुद्दा जब छिड़ता है, तो अमेरिकी रवैया देख चिंता होती है। अमेरिका की दलील है, जलवायु परिवर्तन के खिलाफ जंग की कीमत नेपाल जैसा देश भी चुकाए, जबकि भारत जैसे देश चाहते हैं कि जलवायु परिवर्तन की लागत अमीर हो चुके देशों को ज्यादा चुकानी चाहिए। एक दौर वह भी था, जब अमेरिका ने जलवायु बचाव से अपने कदम पीछे खींचने शुरू कर दिए थे। अनेक अमीर देश हैं, जो खुशफहमी में हैं कि गर्मी उनका कुछ न बिगाड़ पाएगी, पैसे और ऊर्जा भंडार से वे अपना बचाव कर लेंगे। ऐसे देशों को झुलसाती धूप में खुली आंखों से सच्चाई को परखना और समझना चाहिए। भारत निरंतर गुहार लगाता रहता है, पर हरित तकनीक के हस्तांतरण में अभी भी खूब बाधाएं हैं। हरित तकनीक को महंगा किया जा रहा है। इलेक्ट्रिक वाहनों को दुनिया के विकासशील देशों में बहुत किफायती हो जाना चाहिए, पर विकसित देश यहां भी अपना व्यावसायिक लाभ देख रहे हैं। वाकई, निहित स्वार्थ से ऊपर उठकर ही दुनिया को बचाने के प्रयास सफल हो सकते हैं।

## आज का राशीफल

**मेष** जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

**वृषभ** आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

**मिथुन** आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

**कर्क** राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

**सिंह** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ऋोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

**कन्या** व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता बनाकर रखना आवश्यक है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

**तुला** व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

**वृश्चिक** शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। विरोधियों का पराभव होगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

**धनु** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है।

**मकर** रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है।

**कुम्भ** दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मन प्रसन्न रहेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

**मीन** गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के विवाद में न पड़ें।

# व्यवस्था की खामियां दूर करने से टलेंगे हादसे

**सरवजीत अरजन सिंह**

पिछले साल बालासोर, ओडिशा में 3 रेलगाड़ियों की टक्कर हुई, जिसमें 296 यात्रियों की मृत्यु हुई और 1000 से अधिक घायल हुए। इसके पीछे वजह मानवीय चूक बताई गई। उम्मीद थी कि यह हादसा रेलवे को अपनी संचालन और रख-रखाव की प्रणाली की समीक्षा करके सुरक्षा में आगे सुधार लाने का निमित्त बनेगा, विशेषकर मानवीय चूक से होने वाली दुर्घटनाओं की संभावना न्यूनतम करने में, किंतु लगता है यह उम्मीद झूठी निकली। अब 17 जून को पश्चिम बंगाल में नई जलपाईगुड़ी के पास एक जगह ठहरी कंचनजंगा एक्सप्रेस को एक मालगाड़ी ने पीछे से आकर टक्कर मारी, जिसमें 10 लोगों की मौत हुई और 40 जख्मी हुए। इस दुर्घटना का दोष भी मानवीय चूक पर मढ़ दिया गया। हालांकि, रेलवे सुरक्षा आयुक्त द्वारा की जा रही वैधानिक जांच अभी जारी है, लेकिन सार्वजनिक मंचों पर उपलब्ध जानकारी के आधार पर कुछ बिंदु जोड़कर, जो हुआ होगा, हम उसका अंदाजा लगा सकते हैं। अब तक प्राप्त जानकारी के मुताबिक, 17 जून के दिन सुबह 5 बजकर 50 मिनट पर रंगापानी और चैटरहाट स्टेशनों के बीच रेल-खंड में आसमानी बिजली गिरने से स्वचालित सिग्नल प्रणाली ठप्प पड़ गई, इसकी सूचना 6 बजकर 5 मिनट पर सिग्नल विभाग को प्रेषित कर दी गई। अब चूंकि निदान होने में वक्त लगना था तो सामान्य व सहायक नियमों के मुताबिक विभाग को पैदा हुई समस्या की घोषणा तुरंत कर देनी चाहिए थी, इससे होता यह कि कार्यप्रणाली का ढंग स्वचालित ब्लॉक सिग्नल व्यवस्था से बदलकर पूर्णरूपेण मानव-चालित व्यवस्था बन जाता, शायद तब हादसा टल जाता। फिलहाल अभी पता नहीं है कि ऐसा क्यों नहीं किया गया। नतीजतन, यह प्रखर स्वचालित सिग्नल नियमों के मुताबिक काम करता रहा, जो ड्राइवरों को दोषपूर्ण सिग्नल पारित करने के लिए अधिकृत करता है। चूंकि स्वचालित क्षेत्रीय व्यवस्था लागू थी तो चालक के लिए गाड़ी की गति 15 किमी प्रतिघंटा तक सीमित रखना और प्रत्येक रेड सिग्नल पर 1 मिनट रुकना जरूरी था। कंचनजंगा एक्सप्रेस सहित 6 रेलगाड़ियों ने इस संहिता की पालना की भी, लेकिन कंटेनर ले जा रही मालगाड़ी के चालक ने ऐसा नहीं किया, जिससे दुर्घटना घटी। यदि मालगाड़ी चालक ने भी उक्त निर्देशों का पालन किया होता तो टक्कर होने से बच जाती। साफ है, मालगाड़ी की रफ्तार 15 किमी प्रतिघंटा से कहीं अधिक थी। लोको ड्राइवरों के प्रवक्ता का कहना है कि 'पेपर लाइन क्लियर' (जिसमें इंजन चालक को अनुमति चिट थमाई जाती है) शायद जरूरी न थी क्योंकि चालक को सावधानी वाली गति बनाए रखते हुए सिग्नल पार करने का अधिकार होता है, चाहे वह खराब हो या न हो, किसे भी स्वचालित सिग्नल प्रणाली का सारा प्रयोजन रेलगाड़ियों को, जितना संभव हो सके, अधिक से अधिक गाड़ियों को, उचित परस्पर नजदीकी दूरी कायम रखते हुए चलाना है। उनके अनुसार, पेपर लाइन क्लियर चिट यदि थमाई होती तो इसका सीधा अर्थ है ऐसी परिस्थिति जिसमें चालक के लिए संहिता का पालन करना जरूरी नहीं और वह सामान्य गति से आगे बढ़ सकता है। लगता है, नई सिग्नल व्यवस्था के कार्यकारी-नियमों में यह एक असमंजसपूर्ण त्रुटि है (स्वचालित प्रणाली दो स्टेशनों के बीच एक वक्त में केवल एक ही रेलगाड़ी होने की अनुमति देने वाले कड़े ब्लॉक नियम के विपरीत है)। कर्मियों के विभिन्न स्तरों पर इन नियमों की यथेष्ट समझ न होना भी एक कारक हो सकता है। मानवीय चूक को वजह बताने वाले हादसों को रोकना इतना मुश्किल क्यों है? रेलवे द्वारा नई तकनीकें अपनाकर मानवीय दखलअंदाजी न्यूनतम करने के प्रयासों के बावजूद, मसलन, घरेलू तकनीक पर विकसित 'कवच' नामक रेल सुरक्षा प्रणाली- जो खतरे का सिग्नल पार करने के परिणामवश हुई दुर्घटनाओं को रोकने के लिए बनाई गई है- अभी भी हादसों की संख्या में मानवीय चूकों की हिस्सेदारी आधी है। यदि उक्त रेल-खंड में कवच व्यवस्था स्थापित की गई होती तो भले ही टक्कर होने से बच जाती लेकिन यह चालक को गलती करने से नहीं रोक पाती। तो आखिर क्या वजह है कि मानवीय चूक को खत्म कर पाना इतना मुश्किल है? वह इसलिए, क्योंकि यह असफलता का मुख्य कारक न होकर, व्यवस्था में गहरे तक समाई खामी का चिन्ह है। यह वह चीज है जिसकी स्वीकारोक्ति रेलवे विभाग द्वारा करना बाकी है। यह प्रवृत्ति मानवीय चूक को 'सड़े सेब' के नजरिए से देखती और मानती है कि चंद गैर-भरोसेमंद की काहिली के सिवाय सुरक्षा व्यवस्था मूलतः चाक-चौबंद है, ऐसों की शिनाख्त कर उन्हें मिसाल के तौर पर पेश किया जाए। जबकि इस किस्म के तत्वों से छुटकारा पाने से समस्या हल नहीं होने वाली क्योंकि यह खामी व्यवस्थागत है। दुर्घटनाओं का ठीकरा मानवीय चूक के सिर फोड़ने के प्रसंगों की गिनती घटाने के लिए, रेलवे के शीर्ष कर्ताधर्ताओं को यह स्वीकार करना जरूरी है कि हादसे के जिम्मेवार लोगों की शिनाख्त करना जांच का निष्कर्ष न होकर आरंभिक बिंदु होना चाहिए। प्रबंधन को खुद से पूछना चाहिए कि कौन से ऐसे कारक हैं जो कर्मियों को सुरक्षा के बदले अन्य ध्येय चुनने का मौका बनाते हैं। और उनमें से कितने इनके अपने निर्णयों का परिणाम हो सकते हैं। आखिरकार, संगठन के प्रत्येक स्तर पर बैठे अधिकारियों को बहु-व्यवस्थात्मक ध्येयों को लेकर समझौते करने पड़ते हैं, जिनमें कुछ ऐसे होंगे जो रेल प्रचालन में प्रत्यक्ष रूप में शामिल लोगों पर बेजा जोर डालते होंगे। उपरोक्त स्थिति के मद्देनजर, किसी को भी हैरानी होगी कि आखिर वह क्या था जिसने मालगाड़ी चालक को स्थापित संहिता को अनदेखा करने को मजबूर किया होगा, जबकि वह भी भली भांति जानता था कि टक्कर की सूरत में उसकी अपनी जान भी जा सकती है (और यह हुआ भी)। हम यह निष्कर्ष नहीं निकाल सकते हैं कि इसका उत्तर 'व्यवस्था की विसंगति' से परे नहीं है। यह हो सकता है, और यहां मैं केवल समझाने के मकसद से अंदाजा लगा रहा हूं, चालक नये स्वचालित प्रखंड सिग्नल नियमों से पूरी तरह वाकिफ और प्रशिक्षित न हो, उसने 'पेपर लाइन क्लियर' धारा की छूट उठाई और रेलगाड़ी सामान्य गति से दौड़ाता रहा। शायद स्टेशन मास्टर भी इस बारे में पूरी तरह प्रशिक्षित नहीं था कि उसके अधिकार क्षेत्र में सिग्नल प्रणाली में आई खामी दुरुस्त करने में यदि वक्त ज्यादा लगे, और जटिलताएं एक से अधिक बन जाएं, तब कौन से सर्वश्रेष्ठ उपाय लागू करवाए। सुरक्षा का मामला, आखिरकार, मानवीय चूकों से कहीं अधिक व्यापक है। सुरक्षा महज प्रणाली का ठप्प पड़ जाना या उसमें आया विकार न होकर, पैदा हुई जटिलताओं के मुताबिक खुद को निरंतर ढालते जाने का परिणाम है। किसी भी घड़ी, व्यक्तिगत और रेलवे की कार्यकुशलता के प्रदर्शन में वर्तमान स्थितियों के मुताबिक समस्या होना लाजिमी है। इस किस्म की समन्वयता बनाने को जो मुश्किल बनाता है वह है संसाधनों और समय का सीमित होना। अतएव, सुरक्षा बनाए रखना एक स्थाई प्रक्रिया है, और इसकी सफलता संगठन, समूह एवं व्यक्ति की, हादसा होने से पहले, जोखिम के पहलुओं का पूर्वानुमान लगाने की काबिलियत पर निर्भर होती है। सीधी-सी बात है- घटिया सुरक्षा तंत्र और मानवीय चूक यह काबिलियत के न होने की वजह से भी है। सुरक्षा विभाग का मुख्य ध्येय जोखिम का आकलन करना और सुरक्षा सुनिश्चित करने को लोचशील व्यवस्था प्रदान करना है। जब रेलवे आला अधिकारियों ने इस मामले में भी मालगाड़ी चालक को दोषी ठहराने में जरा देर नहीं लगाई, ऐसा उन्होंने रेलवे व्यवस्था में पैठ कर चुकी आदत की वजह से किया है। समय आ गया है कि रेलवे विभाग परंपरागत ढर्रे के सिद्धांत को छोड़ दे। जांच का दायरा और कार्रवाई रेल परिचालन में केवल सीधे तौर पर शामिल लोगों तक सीमित रखने से व्यवस्था की वह खामियां दूर नहीं होंगी, जिनकी वजह से दुर्घटनाएं घटती हैं।

लेखक भारतीय रेल के पूर्व महाप्रबंधक हैं।

# भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड करने पर हो रहा है विचार

**(लेखक- प्रहलाद सबनानी )**

वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों की सावरेन क्रेडिट रेटिंग पर कार्य कर रही संस्था स्टैंडर्ड एंड पूअर ने हाल ही में भारतीय अर्थव्यवस्था का आंकलन करते हुए भारत के सम्बंध में अपने दृष्टिकोण को सकारात्मक किया है एवं कहा है कि वह भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड करने के उद्देश्य से भारत के आर्थिक विकास सम्बंधी विभिन्न पैमानों का एवं भारत के राजकोषीय घाटे से सम्बंधित आंकड़ों का लगातार अध्ययन एवं विश्लेषण कर रहा है। यदि उक्त दोनों क्षेत्रों में लगातार सुधार दिखाई देता है तो भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड किया जा सकता है। वर्तमान में भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग **BBB-** है, जो निवेश के लिए सबसे कम रेटिंग की श्रेणी में गिनी जाती है। किसी भी देश की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को यदि अपग्रेड किया जाता है तो इससे उस देश में विदेशी निवेश बढ़ने लगते हैं क्योंकि निवेशकों का इन देशों में पूंजी निवेश तुलनात्मक रूप से सुरक्षित माना जाता है। साथ ही, अच्छी सावरेन क्रेडिट रेटिंग प्राप्त देशों की कम्पनियों को अन्य देशों में पूंजी उगाहना न केवल आसान होता है बल्कि इस प्रकार लिए जाने वाले ऋण पर ब्याज की राशि भी कम देनी होती है। किसी भी देश की जितनी अच्छी सावरेन क्रेडिट रेटिंग होती है उस देश की कम्पनियों को कम से कम ब्याज दरों पर ऋण उगाहने में आसानी होती है। भारत में हाल ही में केंद्र में नई सरकार के गठन सम्बंधी प्रक्रिया सम्पन्न हो चुकी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी सहित केंद्रीय मंत्रीमंडल के समस्त सदस्यों को विभागों का आबंटन भी किया जा चुका है। केंद्र सरकार द्वारा पिछले दस वर्षों के दौरान लिए गए आर्थिक निर्णयों का भरपूर लाभ देश को मिला है। इससे देश के आर्थिक विकास को गति मिली है एवं आज भारत, विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है। गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में अपार कमी दृष्टिगोचर है। देश में बहुत बड़े स्तर पर वित्तीय समावेशन हुआ है, जनधन योजना के अंतर्गत 50 करोड़ से अधिक बैंक बचत खाते खोले जा चुके हैं एवं इन बचत खातों में आज लगभग 2.50 लाख करोड़ रुपए की राशि जमा है, इस राशि का उपयोग देश के आर्थिक विकास के लिए किया जा रहा है। रोजगार के नए अवसर भारी संख्या में निर्मित हुए हैं। देश में प्रति व्यक्ति आय भी बढ़कर लगभग 2200 अमेरिकी डॉलर प्रतिवर्ष तक पहुंच गई है। देश के कुछ राज्यों में तो किसानों की आय दुगने से भी अधिक हो गई है। भारत में विदेशी निवेश भारी मात्रा में होने लगा है एवं बहुराष्ट्रीय कम्पनियां अपनी विनिर्माण इकाईयों की स्थापना भारत में ही करने लगी हैं। इससे देश में विनिर्माण इकाईयों (उद्योग क्षेत्र) की विकास दर 8-9 प्रतिशत के पास पहुंच गई है। मंदिर की अर्थव्यवस्था एवं लगातार तेज गति से आगे बढ़ रहे धार्मिक पर्यटन के चलते भारत में आर्थिक विकास की दर वित्तीय वर्ष 2023-24 में 8 प्रतिशत से भी अधिक रही है। भारत, अपने आर्थिक विकास की गति को और अधिक तेज करने के उद्देश्य से आधारभूत ढांचें को विकसित करने के लगातार प्रयास कर रहा है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट में 7.5 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान देश के आधारभूत ढांचे को विकसित करने हेतु किया गया था, जिसे वित्तीय वर्ष 2023-24 में 33 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 लाख करोड़ रुपए कर दिया गया था एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए इसे और अधिक बढ़ाकर 11.11 लाख करोड़ रुपए का कर दिया गया है। आधारभूत ढांचे को विकसित करने से देश में उत्पादकता में सुधार हुआ है एवं विभिन्न उत्पादों की उत्पादन लागत में कमी आई है। जिससे, कई बहुराष्ट्रीय कम्पनियां अपनी विनिर्माण इकाईयों को भारत में स्थापित करने हेतु आकर्षित हुई हैं। स्टैंडर्ड एंड पूअर का तो यह भी कहना है कि भारत जिस प्रकार की आर्थिक नीतियों को लागू करते हुए आगे बढ़ रहा है और केंद्र में नई सरकार के आने के बाद से अब सम्भावनाएं बढ़ गई हैं कि भारत में आर्थिक सुधार कार्यक्रम बहुत तेजी के साथ किए जाएंगे इससे कुल मिलाकर भारत की आर्थिक विकास दर को लम्बे समय तक 8 प्रतिशत से ऊपर बनाए रखा जा सकता है। भारत ने अपने आर्थिक विकास की गति को तेज रखते हुए अपने राजकोषीय घाटे पर भी नियंत्रण स्थापित कर लिया है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारत का राजकोषीय घाटा 17 लाख 74 हजार करोड़ रुपए का रहा था जो वित्तीय वर्ष 2023-24 में घटकर 16 लाख 54 हजार करोड़ रुपए का रह गया है। यह राजकोषीय घाटा वित्तीय वर्ष 2022-23 में 5.8 प्रतिशत था जो वित्तीय वर्ष 2023-24 में घटकर 5.6 प्रतिशत रह गया है। भारत के राजकोषीय घाटे को वित्तीय वर्ष 2024-25 में 5.1 प्रतिशत एवं वित्तीय वर्ष 2025-26 में 4.5 प्रतिशत तक नीचे लाने के प्रयास केंद्र सरकार द्वारा सफलता पूर्वक किए जा रहे हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रान्स, जर्मनी जैसे विकसित देश भी अपने राजकोषीय घाटे को कम नहीं कर पा रहे हैं परंतु भारत ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान यह बहुत बड़ी सफलता हासिल की है। सरकार का खर्च उसकी आय से अधिक होने पर इसे राजकोषीय घाटा कहा जाता है। केंद्र सरकार ने खर्च पर नियंत्रण किया है एवं अपनी आय के साधनों में अधिक वृद्धि की है।

यह लम्बे समय में देश के आर्थिक स्वास्थ्य की दृष्टि से एक बहुत महत्वपूर्ण तथ्य उभरकर सामने आया है। भारत के कुछ राज्यों (पंजाब, पश्चिम बंगाल, केरल, आदि) में राजकोषीय घाटे को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है, परंतु केंद्र सरकार एवं कुछ अन्य राज्य (उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, तमिलनाडु आदि) जरूर अपने राजकोषीय घाटे को सफलता पूर्वक नियंत्रित कर पा रहे हैं। राजकोषीय घाटा मलेशिया, फिलिपीन, इंडोनेशिया, थाईलैंड, वियतनाम जैसे देशों में 4 प्रतिशत से कम है जबकि भारत में केंद्र सरकार एवं समस्त राज्यों का कुल मिलाकर राजकोषीय घाटा 7.9 प्रतिशत है। उक्त वर्णित समस्त देशों की सावरेन क्रेडिट रेटिंग **BBB-** है जबकि भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग **BBB-** है। अतः भारत के कुछ राज्यों को तो अपने राजकोषीय घाटे को कम करने हेतु बहुत मेहनत करने की आवश्यकता है। राजकोषीय घाटे को कम करने में भारत को सफलता इसलिए भी मिली है कि देश 20 से अधिक करों को मिलाकर केवल एक कर प्रणाली, वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली, को सफलता पूर्वक लागू किया गया है। आज वस्तु एवं सेवा कर के रूप में भारत को औसत 1.75 लाख करोड़ रुपए की राशि प्रतिमाह अप्रत्यक्ष कर के रूप में प्राप्त हो रही है। साथ ही, प्रत्यक्ष कर के संग्रहण में भी 20 प्रतिशत की भारी भरकम वृद्धि परिलक्षित हुई है। भारत में बैंकिंग व्यवस्थाओं के डिजिटलीकरण को ग्रामीण इलाकों तक में लागू करने से भारतीय अर्थव्यवस्था का औपचारीकरण बहुत तेज गति से हुआ है, जिससे प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर संग्रहण में भारी भरकम वृद्धि हुई है। जबकि केंद्र सरकार एवं कुछ राज्य सरकारों ने अपने गैर योजना खर्च की मदों पर किए जाने वाले व्यय पर नियंत्रण करने में सफलता भी पाई है।

## विचार मंथन

# डीमार्ट और सुपर मार्केट में बिक रहा है नकली सामान

**लेखक- सनत जैन / ईएमएस)**

नकली और मिलावटी सामान बहुराष्ट्रीय कंपनियों के शोरूम और माल से बिकने लगा है। हाल ही में डीमार्ट, आईपरमार्ट और सुपर मार्केट में नकली सामान की खेप पकड़ी गई है। नामी गिरामी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के आउटलेट में यदि इस तरह के मिलावटी सामान और नकली ब्रांड बिक रहे हैं तो इस स्थिति में देश का भगवान ही मालिक है। सरकार ने खाद्य सुरक्षा और नकली सामान से सुरक्षा प्रदान करने के लिए बड़े-बड़े कानून बनाए हैं। लेकिन बहुराष्ट्रीय कंपनियां कानून का उल्लंघन कर अपने आउटलेट से अमानक और नकली सामान की बिक्री करने लगी हैं। सरकार आंख मूंदकर लोगों को बहुराष्ट्रीय कंपनियों के आसरे में लुटने के लिए छोड़ दे। इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या हो सकता है। छोटी मोटी दुकानों में तो छापे डाले जाते हैं। रेहड़ी और पटरी वालों को भी नहीं छोड़ा जाता है। खुले दूध की बिक्री लगभग-लगभग पूरे देश में बंद हो गई है। छोटी-छोटी होटल बंद हो गई हैं। अब डिब्बा बंद मिठाइयां और पेकड नमकीन बाजार में बिक रहा है। स्थानीय स्तर का रोजगार पूरी तरह से खत्म हो गया है। पिछले एक दशक में जिस तरह से नकली सामान और अमानक खाद्य पदार्थों को लेकर सरकार द्वारा सारे देश में मुहिम चलाई गई। उसकी गाज छोटे-छोटे कारोबारियों पर गिरी है। इसका लाभ बड़ी-बड़ी कंपनियों को मिला है। वहीं ब्रांडेड कंपनियों के आउटलेट में धड़ल्ले से बड़ी मात्रा में नकली सामान बेचा जा रहा है। ऐसा ही एक मामला राजस्थान के जयपुर में उजागर हुआ है। जयपुर के डीमार्ट और आईपरमार्ट, सुपर मार्केट के आउटलेट में बड़ी मात्रा में नकली घी और तेल जप्त किया गया है। जयपुर खाद्य विभाग की टीम ने नकली सामग्री बेचने की खबर पर कार्रवाई की। सरस घी के नाम से सरकारी ब्रांड का नकली घी डी मार्ट के आउटलेट से बिक्रय किया जा रहा था। वहीं सिरसी रोड में स्थित आइपरमार्ट में टैगोर ब्रांड का नकली घी बेचा जा रहा था। खाद्य विभाग की जांच के दौरान नकली सामान बेचने का मामला उजागर हुआ। डी मार्ट के आउटलेट में खडेलवाल एंड कंपनी द्वारा सरस घी की सप्लाई की जा रही थी। डी मार्ट जिनसे घी खरीद रहा था, वह कंपनी के अधिकृत डीलर नहीं थे। डीमार्ट प्रबंधन ने लापरवाही बरती या उनकी मिली भगत थी, इसका खुलासा नहीं हुआ। खाद्य विभाग की कार्रवाई के बाद जिन दो फर्मों द्वारा नकली घी की सप्लाई की गई थी, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। दोनों फर्मों के संचालक फरार हो गए हैं। पुलिस यह पता लगाने में जुटी हुई है, कि दोनों फर्मों के कर्ताधर्ता कैसे नकली घी की सप्लाई करते थे। घी कहां से लाते थे। खाद्य सुरक्षा विभाग ने अभी तक 40000 लीटर से अधिक नकली तेल और घी को जप्त किया है। मिलावटी सामान की सप्लाई करने वाली फर्मों के बारे में खाद्य विभाग और स्थानीय पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। खाद्य विभाग ने डीमार्ट, आईपरमार्ट और सुपर मार्केट जैसे संस्थानों के ऊपर कोई कठोर कार्रवाई नहीं की है। सरस कंपनी के सीएमडी सुधमा अरोड़ा ने जानकारी देते हुए बताया है, कि कंपनी के प्रोडक्ट में क्यूआर कोड प्रिंट किया जाता है। स्कैन करने पर सही पहचान भी की जा सकती है। इसके बाद भी बहुराष्ट्रीय कंपनियों और सुपर मार्केट जैसे संस्थान, कमाई के लालच में नकली सामान, उपभोक्ताओं को खुलेआम बेचकर उन्हें दिन दहाड़े ठग रहे हैं। खाद्य विभाग द्वारा बड़ी-बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के आउटलेट पर कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है। यह चिंता का विषय है। अब तो लोग कह रहे हैं, भारत में दो तरह के कानून हैं। गरीब और मध्यम वर्ग के लिए अलग कानून हैं। बड़े-बड़े लोगों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए भारत में अलग कानून है। लोगों का मानना है, कि खाद्य विभाग को

बहुराष्ट्रीय कंपनियों के आउटलेट को सील करना चाहिए था। पूरे आउटलेट की जांच करनी चाहिए थी, लेकिन खाद्य विभाग ने उनके ऊपर कोई कार्यवाही ना करके, उन्हें बचाने का प्रयास करने जैसा काम ही किया है। खाद्य विभाग द्वारा पुलिस में केवल सप्लायर के ऊपर एफआईआर दर्ज कराई है। इससे देश भर के लोगों में नाराजी फैल रही है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों के आउटलेट पर लोग बड़े विश्वास के साथ खाद्य पदार्थों की खरीदी करने और ब्रांडेड सामग्री को खरीदने के लिए प्रतिदिन हजारों की संख्या में पहुंचते हैं। यदि बड़ी-बड़ी और बहुत राष्ट्रीय कंपनियों के आउटलेट से नकली और अमानक सामान बेचा जा रहा है। ऐसी स्थिति में किस पर भरोसा किया जा सकता है।

# बच्चों के साथ बिताएं अपना वीकएंड

हम आपके लिए कुछ फन एक्टिविटीज लेकर आए हैं जो आपको वीकएंड में अपने बच्चों के साथ करने में बेहद मजा आएंगा और साथ ही आप अपने बच्चों के साथ ज्यादा समय भी व्यतीत कर पाएंगे। वीकएंड्स पर बच्चों को संभालना बेहद मुश्किल हो जाता है। ऐसे में वे बोर होने लगते हैं और घर में हुड़दंग मचाना शुरू कर देते हैं। ...तो क्यों न वीकएंड के लिए आप पहले से ही कुछ फन एक्टिविटीज प्लॉन करके रखें जिसे करने में आपको भी मजा आए और आपके बच्चों को भी।

पेपर प्लेट मास्क–घर पर रखे पेपर प्लेट्स निकालें और साथ ही बच्चों की कैंची भी। बच्चें को उनके पेंट और ब्रश के साथ बिठाएं और देखें की वे अपनी इमेजिनेशन से क्या पेंट करते हैं इन पेपर प्लेट्स पर। पेपर प्लेट्स से फेस मास्क बनाना मजेदार होता है। आप खाली जूस के बॉटल्स और अन्य बॉक्सेसज भी कई चीजे बना सकते हैं।

गाडर्निंग– इससे आपके बच्चों में प्रकृती के प्रति लगाव बढ़ेगा। अपने बच्चों को पेड़ लगाना, बीज बोना सिखाएं। यह न केवल उनके लिए एक लर्निंग एक्सपीरियंस होगा बल्कि वे नेचर के प्रति जिम्मेदार भी बनेंगे।

पिगी बैंक बनाएं– उसे सेविंग करना सिखाएं। घर पर पड़े बड़े बॉक्सेज और जार लेकर आएं और उन्हें इसे अपने मनपसंद तरीके से सजाने को कहें फिर ईनाम के रूप में इन बॉस या जार में कुछ सिक्के डाल दें।

स्टिक पपेट– आइसक्रीम स्टिक्स पर बच्चों को बर्ड्स या एनिमल ड्रॉ करने को कहें और फिर इनका इस्तेमाल बुकमार्क के रूप में भी कर सकते हैं।

वेजिटेबल ड्रॉइंग– भिंडी, प्याज और अन्य सब्जियों के छोटे टुकड़े काटें। इन टुकड़ों को आप अपने बच्चों को पकड़ा दें और फिर उन्हें पेंट कलर्स में डिप करके ड्रॉइंग बनाने को कहें। इससे उन्हें ड्रॉइंग के नए तरीके सीखने को मिलेगा और समय का सही उपयोग भी होगा।



## मानसून में ऐसे करें आई केयर

बारिश में आंखों का ख्याल रखना बेहद जरूरी होता है। कई बार बारिश के मौसम में आंखों में सूजन, जलन, लाली आदि की समस्या पैदा हो जाती है। इन समस्याओं से बचने के लिए इन बातों का खासतौर पर ध्यान रखें।

**गंदे हाथ**

गंदे हाथों से आंखों को न छुएं।

**ठंडे पानी का इस्तेमाल**

आंखों को ठंडे पानी से धोएं।

**साबुन से हाथ धोएं**

घर में अगर कोई कन्जक्टिवाइटस से पीडित है तो उसकी आंखों में दवा डालने के बाद साबुन से हाथ जरूर धोएं।

**ज्यादा परेशानी होने पर विशेषज्ञ से मिलें**

आंखों में लाली, खुजली व जलन मानसून से जुड़ी परेशानी है जो ज्यादा किताब पढ़ने, कम्प्यूटर पर घंटों काम करने व ज्यादा टेलीविजन देखने से होती है। यदि ऐसी परेशानी हो तो विशेषज्ञ से मिलें।

**आंखों को पोंछने वाले कपड़े को शेयर न करें**

अपना तौलिया, रूमाल आदि दूसरों के साथ शेयर न करें।

**कॉन्टेक्ट लेंस का प्रयोग नहीं**

किसी भी संक्रमण के दौरान कॉन्टेक्ट लेंस का प्रयोग न करें।

**मेकअप से दूर रहें**

बाहर जाते वक्त चश्मा लगाएं। दिक्कत होने पर आंखों को रगडें नहीं। किसी भी प्रकार का संक्रमण होने पर आंखों का मेकअप न करें।

**बिलनी**

आंखों का बैक्टीरियल संक्रमण है जो ज्यादातर बारिश के मौसम में होता है। इसमें आंखों की पुतली में पीड़ादायक गठान हो जाती है जो कुछ समय बाद दवा से ठीक हो जाती है।

## घरेलू उपायों से निखारें अपनी रंगत

*दमकता गोरापन पाने के लिए महिलाएं बहुत से उपाय करती हैं। बाजार में भी गोरा बनाने के लिए ढेरों प्रोडेक्ट उपलब्ध हैं। जिन्हें खरीदने के लिए महिलाएं पानी की तरह पैसा बहाती हैं, लेकिन क्या आप जानती हैं कि कुछ घरेलू तरीके अपनाकर भी आप पा सकती है निखरी त्वचा–*

### नींबू

नींबू के रस को गुलाब जल के साथ मिलाकर चेहरे पर लगाएं। इससे चेहरे में निखार आएगा। अगर आपके हाथ काले हैं तो सोते वक्त हाथों पर नींबू रगड़े। एक हफ्ते में ही आपको फर्क महसूस होने लगेगा।

### शहद

शहद में कच्चा दूध मिलाकर लगाने से चेहरा खुबसूरत और कोमल हो जाता है। इससे फटी हुई स्किन भी सही हो जाती है।

### संतरा

संतरे के छिलकों को सुखा लें। फिर उन्हें मिक्सी में पीसकर पाउडर बना लें। इस पाउडर में गुलाब जल, कच्चा दूध और नींबू का रस मिलाकर इसे चेहरे और गर्दन पर लगाएं। इससे आपकी त्वचा गोरी होने लगेगी।

### टमाटर

टमाटर के रस में गुलाब जल और कच्चा दूध मिलाकर लगाएं। इससे कील, मुंहासों से राहत मिलेगी।

### खीरा

खीरे के रस को चेहरे पर लगाएं। इससे आपके चेहरे की रंगत निखरने लगेगी। इसके अलावा खीरे को आंखों पर लगाने से डार्क सर्कल भी दूर होते हैं और आंखों को आराम मिलता है।

### हल्दी

हल्दी में ताजी मलाई, आटा और कच्चा दूध मिलाकर चेहरे पर लगाएं। फिर 10 मिनट बाद चेहरा धो लें। इससे चेहरे पर निखार आ जाता है।

## ब्यूटी और हैल्थ दोनों के लिए प्रभावी मुल्तानी मिट्टी



ब्यूटी और हैल्थ दोनों के लिए मुल्तानी मिट्टी प्रभावी होती है। इसे चेहरे पर लगाने से रंगत निखरती है और बालों में प्रयोग करने से वे घने व मुलायम होते हैं। यह त्वचा संबंधी रोगों को दूर कर ब्लड सर्कुलेशन ठीक करती है।

### बालों के लिए

रुखे बालों के लिए चार चम्मच मुल्तानी मिट्टी के साथ 1/4 कप दही, दो चम्मच नींबू रस और दो चम्मच शहद मिलाकर बालों पर लगाएं। बाल मुलायम होंगे। मुल्तानी मिट्टी को चार घंटे तक भिगोकर उसमें रीठा पाउडर मिलाएं। इस पेस्ट को बालों में लगाने से तैलीय बालों की समस्या दूर होती है। नेचुरल कंडिशनिंग के लिए मुल्तानी में छाछ मिलाकर लगाएं। मुल्तानी मिट्टी को बालों में 10 मिनट से ज्यादा ना लगाएं।

### गर्मियों में फायदेमंद

सनबर्न होने पर मुल्तानी मिट्टी को गुलाब जल या टमाटर के रस में मिलाकर लगाएं। मुल्तानी मिट्टी का लेप पैरों के तलवों में लगाने से ठंडक मिलती है। इसे नीम की पत्तियों वाले पानी में भिगोकर लेप करने से घमौरियां दूर होती हैं। फोड़े–फुंसियां होने पर इस मिट्टी में कपूर मिलाकर लगाएं। गर्मी में नकसीर की समस्या होने पर एक चौथाई गिलास पानी में रात को 5 चम्मच मुल्तानी मिट्टी भिगो दें। सुबह इसे छानकर नाक पर लेप करने से खून आना बंद हो जाएगा। ड्राई और सेंसटिव स्किन वालों को मुल्तानी मिट्टी का प्रयोग सप्ताह में एक बार ही करना चाहिए।

### तैलीय त्वचा के लिए

*ऑयली स्किन वालों के लिए यह फायदेमंद होती है ,क्योंकि यह चेहरे का तेल सोखकर मुंहासे दूर करती है। ऑयली स्किन वाले लोगों को इस मिट्टी में दही व पुदीने की पत्तियों का पाउडर मिलाकर लगाना चाहिए। गुलाब जल व मुल्तानी मिट्टी मिलाकर भी चेहरे पर लगाई जा सकती है। मुंहासे होने पर मिट्टी में सूखी नीम की पत्तियां मिलाकर लगाएं। रुखी त्वचा होने पर इसमें चंदन पाउडर मिलाकर लगाएं। आंखों के नीचे काले घेरे कम करने के लिए खीरे का रस व उबला आलू मुल्तानी मिट्टी में मिलाकर आंखों के नीचे 10–15 मिनट तक लगाएं।*

# पेट्रोल-डीजल जीएसटी के दायरे में आया तो कम हो जाएंगी कीमतें

नई दिल्ली। पेट्रोल-डीजल को जीएसटी में लाने की मांग लंबे समय से की जा रही है। अगर ऐसा होता है तो देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भारी कमी आ सकती है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 22 जून को हुई जीएसटी काउंसिल की बैठक के बाद कहा था कि केंद्र सरकार हमेशा चाहती है पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे लाया जाए और अब राज्यों को एक साथ आकर इसकी दर तय करनी होगी।दरअसल, पेट्रोल और डीजल पर केंद्र सरकार की ओर से एक्साइज ड्यूटी लगाई जाती है। वहीं इस पर राज्य सरकार वैट वसूलती है। इसके अलावा ट्रांसपोर्टेशन लागत और डीलर कमीशन मिलाकर कीमत तय होती है। मौजूदा समय में दिल्ली में पेट्रोल का बेस प्राइस 55.46 रुपए है। इस पर 19.90 रुपए की एक्साइज ड्यूटी, 15.39 रुपए का वैट लगता है। इसके बाद ट्रांसपोर्टेशन लागत और डीलर कमीशन 20 पैसे और 3.77 रुपए लगता है। ऐसे में आखिरी में कीमत 94.72 रुपए हो जाती है।वहीं, दिल्ली में डीजल का बेस प्राइस 56.20 रुपए है। इस पर 15.80 रुपए की एक्साइज ड्यूटी, 12.82 रुपए का वैट लगता है। इसके बाद ट्रांसपोर्टेशन लागत और डीलर कमीशन 22 पैसे और 2.58 रुपए लगता है तो इसकी अंतिम कीमत 87.62 रुपए हो जाती है। अगर पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के दायरे में लाते हैं तो काफी फायदा होगा, क्योंकि जीएसटी की अधिकतम दर 28 फीसदी है। दिल्ली में पेट्रोल का बेस प्राइस 55.46 रुपए है। इस पर 28 फीसदी जीएसटी लगा दें तो टैक्स 15.58 रुपए बनता है। अगर ट्रांसपोर्टेशन लागत और डीलर कमीशन 20 पैसे और 3.77 रुपए जोड़ा जाए तो इसकी अंतिम कीमत 75.01 रुपए बनती है। ऐसे में पेट्रोल 19.7 रुपए प्रति लीटर सस्ता मिल सकता है।

## आपके काम की खबर.......1 जुलाई से क्रेडिट कार्ड को लेकर होगा बदलाव

नई दिल्ली। अगर आप क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल बिल पेमेंट के लिए करते हैं, तब ये खबर आपके काम की है। जुलाई का महीना शुरू होने वाला है, नए महीने के शुरू होते ही क्रेडिट कार्ड से बिल पेमेंट करने का तरीका बदल जाएगा। 1 जुलाई से क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट को लेकर आरबीआई के कुछ नियम लागू हो रहे हैं, जिनका सीधा असर उन लोगों पर पड़ेगा जो क्रेडिट कार्ड के द्वारा बिल पेमेंट का इस्तेमाल करते हैं। इसका मकसद पेमेंट की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना और इसकी सुरक्षा बढ़ाना है। कुछ प्लेटफॉर्म के द्वारा क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट में मुश्किल हो सकती है। इसमें क्रेड, फोनपे, बिलडेस्क जैसे कुछ प्रमुख फिनटेक शामिल हैं। दरअसल रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने निर्देश दिए हैं कि 30 जून के बाद सभी क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट भारत बिल पेमेंट सिस्टम (बीबीपीएस) के जरिए से प्रोसेस की जानी चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक, अभी तक एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक ने बीबीपीएस एक्टिवेट नहीं किया है। वहीं इन बैंकों ने अभी तक निर्देशों का पालन भी नहीं किया है। अभी तक सिर्फ 8 बैंकों ने ही बीबीपीएस पर बिल पेमेंट सक्रिय किया है। भारत बिल पेमेंट सिस्टम बिल पेमेंट का इंटीग्रेटेड सिस्टम है, जो ग्राहकों को ऑनलाइन बिल पेमेंट सर्विस देती है। यह बिल पेमेंट के लिए एक इंटरऑपरेबल प्लेटफॉर्म है। यह सिस्टम नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया यानी एनपीसीआई के अंतर्गत काम करता है। यूपीआई और रुपे पे की तरह बीबीपीएस को भी नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने बनाया है। भारत बिल-पे एक इंटरफेस है, जो क्रेड, फोनपे, बिलडेस्क, भीम, पेटीएम, मोबिक्विक जैसे ऐप पर मौजूद है। इसके जरिए एक ही प्लेटफॉर्म पर सारे बिल का पेमेंट किया जा सकता है।

## अप्रैल-जून तिमाही में नई आवासीय इकाइयों में कमी

नई दिल्ली। देश में आम चुनाव के कारण बिल्डरों ने कम संख्या में परियोजनाएं शुरू की हैं। इसकारण अप्रैल-जून तिमाही के दौरान नौ प्रमुख शहरों में नई आवासीय इकाइयों की आपूर्ति में 13 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान है। ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि अप्रैल-जून में नौ प्रमुख शहरों में नए घरों की आपूर्ति घटकर 97,331 इकाई रह गई है। एक साल पहले इसी अवधि में यह आंकड़ा 1,11,657 इकाई का था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान पुणे और हैदराबाद में सबसे कम नए घर पेश किए गए। वहीं दिल्ली-एनसीआर में नई आपूर्ति लगभग दोगुनी हो गई है। विश्लेषण में दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई, नवी मुंबई, पुणे और ठाणे को शामिल किया गया। अप्रैल-जून 2024 के दौरान आवास बिक्री में दो प्रतिशत की मामूली गिरावट का अनुमान लगाया है।

## भगौड़े विजय माल्या के बेटे की शादी में दिखाई दिया दूसरा भगौड़ा

लंदन। भारतीय बैंकों से हजारों करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करके भागे भगौड़े शराब कारोबारी विजय माल्य के बेटे सिद्धार्थ की लंदन में शादी हो गई है। सिद्धार्थ की शादी में तमाम मेहमान और पारिवारिक मित्र मौजूद थे। इस बीच सबसे ज्यादा चर्चा भारत के एक और भगौड़े ललित मोदी के भी शादी में पहुंचने की है। एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसमें ललित मोदी भी शादी में नजर आ रहे हैं। यह शादी ब्रिटेन के हर्टफोर्डशायर इलाके में हुई। सिद्धार्थ और जैस्मीन ने पहले ईसाई धर्म के अनुसार शादी की। इसके बाद हिंदू रीति-रिवाज से भी शादी की। ललित मोदी भारत की मशहूर क्रिकेट लीग आईपीएल के पूर्व कमिश्नर रहे हैं। वे आईपीएल में वित्तीय अनियमितता के आरोपी हैं। ललित मोदी के खिलाफ टैक्स धोखाधड़ी, मनी लॉन्ड्रिंग जैसे केस भी चल रहे हैं। इसके अलावा सिद्धार्थ के पिता विजय माल्या पर बैंकों से लोन फ्रॉड करने का आरोप है। इसके बाद जब हिंदू रीति-रिवाज से शादी हुई तब दुल्हन पिंक लहंगे में दिखाई दीं। इस शादी समारोह की तस्वीरें और वीडियो वहां मौजूद मेहमानों ने शेयर किए हैं। एक वीडियो में सिद्धार्थ और जैस्मीन डांस करते दिख रहे हैं। इसके बाद दोनों एक केक भी काटते हैं।

## कार से भी ज्यादा कीमत वाला है दुनिया का सबसे महंगा बिस्किट

लंदन। जब बात बिस्किट खरीदने की होती है तो यही माना जाता है कि पांच या दस रुपए में मिल जाएगा। उसमें 8-10 बिस्किट मिलेंगे और एक दो लोगों के लिए पर्याप्त होगा। लेकिन यहां जिस बिस्किट की बात हो रही है उसमें ऐसा कतई नहीं है। ये केवल एक बिस्किट है और उसकी कीमत एक छोटी कार की कीमत से भी ज्यादा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अक्टूबर 2015 में एक बिस्किट नीलाम हुआ, जिसकी कीमत लगी 15 हजार पाउंड यानी आज के हिसाब से 15 लाख रुपये। ये इतना महंगा इसलिए है क्योंकि ये इकलौता ऐसा बिस्किट है, जो टाइटैनिक पर था और सुरक्षित पाया गया था। स्पिलर्स एंड बेकर्स का पायलट क्रैकर बिस्किट टाइटैनिक की एक लाइफ बोट में रखे सर्वाइवल किट में मिला था। इस वजह से इसे दुनिया का सबसे कीमती बिस्किट भी माना जाता है। इस बिस्किट को नीलाम करने वाले नीलामकर्ता एंड्रू एल्ड्रिज ने कहा था कि ये हैरानी की बात है कि एक बिस्किट, इतने भयानक हादसे को झेल गया। उनकी जानकारी में टाइटैनिक से बचा दूसरा कोई बिस्किट उपलब्ध नहीं है। इसे ग्रीस के एक कलेक्टर ने खरीदा था।

## भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर सकारात्मक दिख रही सभी ग्लोबल रेटिंग्स एजेंसियां

मुंबई। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष (2024-25) के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को 6.8 प्रतिशत पर कायम रखकर कहा है कि ऊंची ब्याज दरों और कम राजकोषीय प्रोत्साहन से मांग में कमी आएगी। एशिया प्रशांत के लिए जारी अपने आर्थिक परिदृश्य में एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी आर्थिक वृद्धि के साथ हैरान कर रही है और बीते वित्त वर्ष (2023-24) में यह 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। एसएंडपी ने कहा, हमारा अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में वृद्धि दर घटकर 6.8 प्रतिशत पर रहेगी। ऊंची ब्याज दरों और कम राजकोषीय प्रोत्साहन से गैर-कृषि क्षेत्रों की मांग प्रभावित होगी।'' एसएंडपी का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2025-26 और 2026-27 में भारतीय अर्थव्यवस्था क्रमशः 6.9 प्रतिशत और सात प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। चालू वित्त वर्ष के लिए एसएंडपी का वृद्धि दर का अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अनुमान से कम है। इसके पहले केंद्रीय बैंक ने अनुमान लगाया था कि चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। एक अन्य रेटिंग एजेंसी फिच का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2024-2025 में भारत की वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रहेगी। वहीं एशियाई विकास बैंक (एडीबी) का अनुमान है कि भारत की सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर सात प्रतिशत रहेगी। मूडीज रेटिंग्स और डेलॉयट इंडिया का अनुमान है कि 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी, जबकि मॉर्गन स्टेनली ने 6.8 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया है।

# शेयर बाजार हल्की तेजी के साथ बंद

मुम्बई। घरेलू शेयर बाजार सोमवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी लिवाली होने से बाजार संभल गया और अंत में बढ़त पर बंद हुआ। आज सुबह से ही बाजार में गिरावट देखी गयी पर बेंचमार्क सूचकांक सत्र के दूसरे भाग में कुछ हद तक नुकसान की भरपाई हुए नजर आये।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 131.18 अंक करीब 0.17 फीसदी बढ़कर 77,341.08 अंक पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 36.75 अंक तकरीबन 0.16 फीसदी की हल्की बढ़त के साथ अंत में 23,537.85 अंक पर बंद हुआ।

आज के कारोबार में सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। इसमें एमएंडएम, पावर ग्रिड, सन फार्मा, नेस्ले इंडिया और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर रहे। इसके अलावा एनटीपीसी, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक, एयरटेल, एलएंडटी, टीसीएस, एशियन पेंट्स आदि रहे।

वहीं सेंसेक्स के 30 शेयरों में 11 नुकसान के साथ ही नीचे आये। इनमें इंडसइंड बैंक, अडाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, रिलायंस और एक्सिस बैंक के शेयर रहे। इसके अलावा बजाज फाइनैंस, एचसीएल टेक, इंफोसिस, एसबीआई, टाटा मोटर्स और कोटक बैंक नुकसान में रहे।

इससे पहले आज सुबह घरेलू बाजार में गिरावट दर्ज की गयी। सुबह सेंसेक्स 330 अंक नीचे आकर 76,877 के स्तर पर और निफ्टी 119.80 अंक गिरकर 23,382.30 पर खुला। निवेशकों ने आगामी जीएसटी बैठक को देखते हुए खरीदारी में सावधानी बरती जिससे भी बाजार पर दबाव पड़ा।

वहीं एशिया-पेसिफिक बाजार में भी गिरावट देखने को मिली। जापान के बाहर एशिया-पेसिफिक शेयरों में एमएससीआई इंडेक्स पिछले सप्ताह दो साल के शीर्ष स्तर तक पहुंचनेके बाद 0.1 फीसदी नीचे आया। वहीं दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.61 फीसदी टूटा, ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 0.59 फीसदी गिरा जबकि जापान का निक्केई 0.413 फीसदी फिसदी गिरा। अमेरिका में पिछला सत्र मिला-जुला रहा। एसएंडपी 500 0.16 फीसदी और नैस्डैक 0.18 फीसदी टूटा जबकि डॉव जोन्स में 0.04 फीसदी की बढ़त आई। घरेलू संस्थागत निवेशकों ने जून महीने में 21 तारीख तक 1,237.21 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। पिछले सप्ताह सेंसेक्स 217.13 अंक या 0.28 फीसदी के लाभ में रहा। वहीं निफ्टी 35.5 अंक या 0.15 फीसदी बढ़ गया।

# बेहद अमीरों पर सुपर रिच टैक्स....... 74 प्रतिशत भारतीय इसके समर्थन में

### जुलाई में होगी जी-20 देशों की बैठक

नई दिल्ली। जी-20 देशों के वित्त मंत्री अगले महीने दुनिया के बेहद अमीर (सुपर-रिच) लोगों पर संपदा कर (वेल्थ टैक्स) लगाने को लेकर विचार-विमर्श करने वाले हैं। इस बीच सर्वे में सामने आया है कि इन देशों के 68 फीसदी लोग अमीरों पर इस तरह का कर लगाने के पक्ष में हैं। भारत में यह आंकड़ा और अधिक यानी 74 प्रतिशत है। इसका मतलब है कि 4 में से 3 भारतीय चाहते हैं कि अमीरों से ज्यादा टैक्स वसूल किया जाए। इन लोगों का मानना है कि वैश्विक स्तर पर भुखमरी, असमानता और जलवायु संकट से निपटने के लिए इस तरह का कर लगाना चाहिए। सुपर-रिच' पर कर लगाने का प्रस्ताव 2013 से लगातार चर्चा में है। पिछले कुछ वर्षों में इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय समर्थन बढ़ रहा है। जी-20 देशों के वर्तमान अध्यक्ष ब्राज़ील का लक्ष्य अमीरों पर टैक्स को लेकर आम राय बनाना है। जुलाई में जी-20 के वित्त मंत्रियों की बैठक में इस बारे में संयुक्त घोषणा पर जोर देने की संभावना है। फ्रांसीसी अर्थशास्त्री गैब्रियल जुकमैन मंगलवार को एक रिपोर्ट पेश करने वाले हैं, कि कैसे बेहद अमीर लोगों पर वैश्विक स्तर पर न्यूनतम कर काम करेगा और इस कितना बढ़ाया जा सकता है। ब्राज़ील के जी-20 में इस कर के प्रस्ताव के पीछे जुकमैन का ही दिमाग है। जुकमैन का कहना है कि आम लोगों की तुलना में बेहद अमीर लोग काफी कम टैक्स दे देते हैं। प्रस्ताव का उद्देश्य एक नया अंतरराष्ट्रीय मानदंड स्थापित करना है। प्रत्येक देश के अरबपति व्यक्ति को प्रस्ताव के तहत अपनी संपदा का दो प्रतिशत सालाना टैक्स के रूप में देना होगा। सर्वे के अनुसार, 74 प्रतिशत भारतीय इस कर के पक्ष में हैं। इसमें से 68 प्रतिशत भारतीयों का मानना है कि दुनिया को अगले दशक में अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों जैसे बिजली उत्पादन, परिवहन, भवन, उद्योग और भोजन में नाटकीय कार्रवाई करने की जरूरत है। सर्वेक्षण में शामिल 81 प्रतिशत भारतीयों ने 'कल्याणकारी अर्थव्यवस्थाओं' में बदलाव का समर्थन किया है।

## देश में मजबूत सरकार की वापसी........एफपीआई कर रहे बंपर निवेश

नई दिल्ली। आम चुनाव के नतीजों के बाद मजबूत वापसी करते हुए विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जून में अबतक (21 जून तक भारतीय शेयर बाजार में शुद्ध रूप से 12,170 करोड़ रुपए डाले हैं। इसके पहले मई में चुनावी नतीजों को लेकर अनिश्चितता के बीच एफपीआई ने शेयरों से 25,586 करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी की थी। वहीं मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में निरंतर वृद्धि की चिंताओं के बीच उन्होंने अप्रैल में शेयरों से 8,700 करोड़ रुपए से अधिक की राशि निकाली थी। आंकड़ों से जाहिर होता है कि ताजा निवेश के बाद 2024 में एफपीआई की शेयरों से निकासी (21 जून) 11,194 करोड़ रुपए रही है। बाजार जानकार बताते हैं कि वर्तमान में भारतीय शेयर बाजार के उच्च मूल्यांकन के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का प्रवाह प्रभावित रहेगा। हालांकि आम चुनाव के नतीजे एक तरह से आश्चर्यचकित करने वाले थे लेकिन बाजार स्थिर मोदी सरकार के गठन का जश्न मना रहा है। इसके अलावा वृद्धि को समर्थन देने वाले बजट की उम्मीद से भी निवेशकों की धारणा मजबूत हुई है। आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार में 10,575 करोड़ रुपए डाले हैं।

# स्टडी ग्रुप के यूके यूनिवर्सिटी डिस्कवरी डे को गुजरात में मिली शानदार सफलता

नई दिल्ली। स्टडी ग्रुप, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा में सफल होने के लिए स्टूडेंट्स को तैयार करने में दुनिया के प्रमुख दिग्गज, ने हाल ही में गुजरात के तीन प्रमुख शहरों में यूके यूनिवर्सिटी डिस्कवरी डे का बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम आयोजित किया। सूरत में इस कार्यक्रम का आयोजन 13 जून, वडोदरा में 15 जून और अहमदाबाद में 16 जून को किया गया। विभिन्न शहरों में आयोजित यह कार्यक्रम काफी सफल रहा और हजारों भावी स्टूडेंट्स, अभिभावक तथा वर्किंग प्रोफेशनल्स ने इसमें हिस्सा लिया। उन्हें यूनाइटेड किंगडम में उच्च शिक्षा के अवसरों के बारे में जानकारी दी गई।

डिस्कवरी डे का व्यापक एजेंडा कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों को व्यक्तिगत रूप से परामर्श उपलब्ध कराना था। साथ ही इसमें शैक्षणिक संस्थानों, पाठ्यक्रमों के चुनाव, छात्रवृत्ति के मौकों के बारे में विस्तृत जानकारी भी मुहैया कराई गई। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा, जेम्स पिटमैन के नेतृत्व में लिया गया सत्र। आईएचई के बोर्ड अध्यक्ष जेम्स ने वहां आने वाले लोगों को यूके में शिक्षा हासिल करने को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई।

हडर्सफील्ड विश्वविद्यालय, टीसाइड विश्वविद्यालय, लिवरपूल जॉन मूर्स विश्वविद्यालय समेत यूके के अन्य विश्वविद्यालयों ने बूथ स्थापित किए हैं, जिससे स्टूडेंट्स विश्वविद्यालय प्रतिनिधि से सीधे बात कर सकते हैं। वहां उपस्थित लोगों को प्रवेश प्रक्रियाओं, पाठ्यक्रमों, छात्रवृत्ति, कैम्पस की जिंदगी, नए ट्रेंड्स, वीज़ा से जुड़े नियमों के बारे में सीधे जानकारी पाने का मौका मिला। इसके साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को अपने प्रोफेशनल नेटवर्क को बढ़ाने का बेहतरीन अवसर मिला।

करण ललित, रीजनल डायरेक्टर, साउथ एशिया, स्टडी ग्रुप का कहना है, "गुजरात में इतनी शानदार प्रतिक्रिया पाकर हमें बेहद खुशी महसूस हो रही है। हम प्रतिभागियों को पूरा सहयोग देना चाहते थे और यूके में पढ़ाई को लेकर उचित निर्णय लेने में हम उन्हें सही टूल्स उपलब्ध कराना चाहते थे। इस कार्यक्रम से समझ आता है कि ब्रिटेन की शिक्षा और दुनिया में उनकी छवि का क्या मूल्य है।"

## कश्मीर के सेब तो खूब खाए अब मुजफ्फरपुर का सेब खाकर देखें

### - बिहार के किसान ने भीषण गर्मी में उगाए सेब और सभी को किया हैरान

मुजफ्फरपुर। सेब जो हमारी सेहत को भी बेहतर बनाता है। इसलिए डॉक्टर रोज एक सेब खाने की सलाह देते हैं। सेब की खेती ज्यादा तरह कश्मीर, शिमला और हिमाचल प्रदेश में होती है लेकिन अब बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के सकरा प्रखंड के गन्नीपुर बेझा गांव के एक किसान रामनंदन प्रसाद अनोखी खेती के लिए सुर्खियों में हैं। उन्होंने भीषण गर्मी वाले इलाके में सेब की खेती कर सफलता हासिल की है और लाखों रुपए कमा भी रहे हैं। गणित में एमएससी करने वाले रामनंदन ने सरकारी नौकरी न कर खेती को ज्यादा तरजीह दी। उन्होंने तीन साल पहले सेब के बागान लगाए और आज वे अन्ना और एचआरएमएन99 किस्म के सेब की खेती रहे हैं जो 50 डिग्री तक तापमान सहन कर सकते हैं। दरअसल, सेब की खेती अमूमन ठंडे प्रदेश कश्मीर, शिमला, हिमाचल प्रदेश जैसे स्थानों पर ही की जाती है, लेकिन मुजफ्फरपुर के रामनंदन ने इस भीषण गर्मी में भी सेब उगा कर लाखों रुपए कमा रहे हैं।

रामनंदन ने तीन साल पहले पारंपरिक खेती छोड़ कर सेब के बागान लगाए, जिसमें सेब आने लगे हैं, जिसकी डिमांड मार्केट में काफी है। जानकारी के मुताबिक पहले साल में ही उनके 100 पौधों से दस क्विंटल सेब की पैदावार हुई है। उनका अनुमान है कि जैसे-जैसे पौधे बड़े होंगे, पैदावार बढ़ती जाएगी और पांच साल में एक पेड़ 50 किलो सेब देने लगेगा। रामनंदन जैविक खाद और सिंचाई पर अधिक ध्यान देते हैं। वे किसानों को सेब की खेती के लिए प्रेरित भी कर रहे हैं और उन्हें ट्रेनिंग भी दे रहे हैं। इतना ही नहीं, रामनंदन फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी के तहत भी काम कर रहे हैं, जहां वे कई प्रकार के फल उगाते हैं। उन्होंने कश्मीर जाकर सेब की खेती देखी और वहां से पौधे लाकर अपने खेत में लगाए।

## क्वांट म्यूचुअल फंड के दफ्तरों की सेबी ने ली तलाशी, मिलीं अनियमितताएं

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने क्वांट म्यूचुअल फंड के ऑफिसों की तलाशी ली है। सूत्रों ने बताया कि कंपनी में निवेश-संबंधी गतिविधियों में अनियमितताएं पाई गई हैं, जिसकी जांच अब मार्केट रेगुलेटर कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक सेबी अधिकारियों ने पिछले हफ्ते फंड हाउस के आफिस में तलाशी ली, जिसके पास करीब 80,000 करोड़ रुपए की प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) है। सूत्रों ने बताया कि मार्केट रेगुलेटर की यह कार्रवाई रेगुलर जांच के दौरान पाई गई खामियों के बाद की गई है। ऑडिट फर्मों ने जांच में चिंता जताई और उसकी जानकारी सेबी को सौंपी। सेबी को भेजे गए सवालों का कोई जवाब अभी तक नहीं मिला है। रविवार देर रात निवेशकों को एक संदेश में, क्वांट म्यूचुअल फंड ने कहा कि सेबी की तरफ से पूछताछ की गई है। कंपनी की ओर से बताया कि हाल ही में सेबी ने क्वांट म्यूचुअल फंड से पूछताछ की है, और हम इस मामले में सभी को जानकारी देना चाहते हैं। हम भरोसा दिलाना चाहते हैं कि क्वांट म्यूचुअल फंड एक एक्टिव यूनिट है, और हम किसी भी रिव्यू के दौरान रेगुलेटर का पूरी तरह से सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम जांच के लिए मदद करेंगे और सेबी को नियमित और जरूरत के मुताबिक डेटा उपलब्ध कराते रहेंगे। हाल के वर्षों में रिटेल इनफ्लो की वजह से क्वांट म्यूचुअल फंड में शानदार ग्रोथ हुई है। इसका एयूएम मार्च 2020 में 233 करोड़ से बढ़कर मौजूदा समय में 80,470 करोड़ हो गया है। यह म्यूचुअल फंड अपने एनालिटिक्स के आधार पर इन्वेस्टमेंट स्टाइल के लिए जाना जाता है। जानकारों ने बताया कि कुछ और फंड हाउस भी खामियों के लिए सेबी के राडर पर आ सकते हैं। ऐसी प्रथाओं पर अंकुश लगाने के लिए, सेबी ने हाल ही में अप्रैल में हुई बोर्ड की बैठक के बाद संभावित बाजार दुरुपयोग को रोकने के लिए इंस्टीट्यूशनल मैकेनिज्म का ऐलान किया था। इसके जवाब में, भारतीय म्यूचुअल फंड संघ (एएमएफआई) एसेट मैनेजमेंट कंपनियों के लिए फ्रंट-रनिंग और इनसाइडर ट्रेडिंग जैसी गलतियों को रोकने के लिए एक स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) तैयार कर रहा हैसेबी ने एएमसीएस को कदाचार और संवेदनशील जानकारी के दुरुपयोग की पहचान के लिए निगरानी और इंटर्नल कंट्रोल बढ़ाने का निर्देश दिया है।

# 25000 से कम आय वाले कर्ज में, अधिक आय वालों का खर्च कम-बचत ज्यादा



मुंबई। मनी व्यू सेविंग्स इंडेक्स 2024 के सर्वे में जो जानकारी सामने आई है। उसके अनुसार भारत में उच्च आय वाले लोग अपनी कमाई की तुलना में खर्च कम करते हैं। बचत ज्यादा करते हैं। जिन लोगों की कमाई 50000 रुपये मासिक से ज्यादा की है। उनमें से 72 फ़ीसदी लोग बचत पर विशेष ध्यान देते हैं। जिन लोगों की कमाई 25000 रुपये से कम की है। उनकी कुल आय का 50 फ़ीसदी हिस्सा घरेलू खर्च में चला जाता है। 25 फ़ीसदी खर्च लोन की किस्त चुकाने में होता है। इस आय वर्ग के बहुत कम लोग 10 से 15 फ़ीसदी की बचत कर पाते हैं। वह भी जिनके परिवार बहुत छोटे होते हैं।

कम और निम्न आय वर्ग के लोग बचत खाते और एफडी में पैसा रखना पसंद करते हैं। ज्यादा पैसा कमाने के चक्कर में म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार में रुचि अब बढ़ रही है। टेलीविजन में आने वाले विज्ञापनों के कारण निम्न एवं मध्यम वर्ग म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार में बचत करने की सोचने लगा है। इसके बाद भी निम्न और मध्यम वर्ग कम जोखिम और शॉर्ट टर्म वाली बचत में पैसा निवेश करना चाहते हैं। उच्च आय वर्ग के लोग एफडी, बीमा और म्यूचुअल फंड में निवेश करने में प्राथमिकता देते हैं। इस सर्वे में यह बात सामने आई। निम्न मध्यम वर्ग और उच्च आय वर्ग के 75 फ़ीसदी लोग प्रॉपर्टी में निवेश करने की सोचते हैं। 21 फ़ीसदी प्रॉपर्टी में निवेश करने के लिए विशेष प्रयत्न करते हैं। निम्न एवं मध्यम वर्ग के परिवार, शिक्षा, इमरजेंसी फंड, शादी इत्यादि के लिए बचत के अलग-अलग तौर तरीके अपनाते हैं।

# टी20 विश्वकप : भारतीय टीम सुपर आठ के तीसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचने उतरेगी

**ग्रोस आइलेट (एजेंसी)।** भारतीय टीम सोमवार को टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर आठ के तीसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी। भारतीय टीम ने अब तक सुपरआठ में अपने दोनो ही मुकाबले जीते हैं जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। भारतीय टीम ने पहले अफगानिस्तान और फिर बांग्लादेश को हराया है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले मैच में बांग्लादेश को हराया था पर दूसरे मैच में उसे अफगानिस्तान के हाथों हार का सामना करना पड़ा है जिससे उसका मनोबल गिरा है।

अफगानिस्तान से हारने के बाद अब ऑस्ट्रेलिया की सेमीफाइनल की राह भी कठिन हो गयी है। उसे सेमीफाइनल में पहुंचनले के लिए भारतीय टीम के खिलाफ जीत के साथ ही ये भी उम्मीद करनी होगी कि अफगानिस्तान टीम बांग्लादेश से हार जाए। भारतीय टीम में इस मैच के लिए बदलाव की उम्मीद नहीं है क्योंकि अफगानिस्तान के खिलाफ बल्लेबाजों के साथ ही गेंदबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया था। कप्तान रोहित शर्मा से लेकर विराट कोहली, हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे भी फार्म में आते दिख रहे हैं। वहीं गेंदबाजी में स्पिनर कुलदीप यादव जबरदस्त प्रदर्शन कर रहे हैं, ऐसे में यहां की स्पिन लेती पच पर उनका सामना करना ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों के लिए बेहद कठिन रहेगा। इस मैच में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार रहेगी पर कंगारु टीम की संभावनाओं को भी कम नहीं माना जा सकता क्योंकि वह इस मैच में जीत के लिए पूरा जोर लगा देगी।

ऑस्ट्रेलिया को हालांकि इस मैच में अपनी बल्लेबाजी ठीक करनी होगी। अफगानिस्तान के खिलाफ उसके बल्लेबाज विफल रहे थे हालांकि



गेंदबाजों का प्रदर्शन ठीक था। इस मैच में भारतीय बल्लेबाजों को स्पिनर एडम जम्पा और तेज गेंदबाज पैट कमिंस से सावधान रहना होगा। जम्पा एक शानदार स्पिनर हैं और यहां की पिच पर उन्हें सहायता भी मिलेगी। वहीं कमिंस ने पिछले दो मैच में लगातार हैट्रिक लेकर दिखाया है कि वह अभी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में शामिल हैं।

### टीम

**भारत-** रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पांड्या, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

**ऑस्ट्रेलिया-** मिशेल मार्श (कप्तान), एश्टन एगर, पैट कमिंस, टिम डेविड, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, ग्लेन मैक्सवेल, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड, डेविड वार्नर, एडम जम्पा।

# नाडा ने बजरंग पूनिया को फिर निलंबित किया

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक एजेंसी (नाडा) ने रविवार को बजरंग पूनिया को दूसरी बार निलंबित कर दिया। इससे तीन सप्ताह पहले एडीडीपी ने इस आधार पर उनका निलंबन रद्द किया था कि नाडा ने पहलवान को आरोपों के संदर्भ में नोटिस जारी नहीं किया था। नाडा ने 23 अप्रैल को तोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता पूनिया को निलंबित कर दिया था चूंकि उन्होंने 10 मार्च को सोनीपत में हुए चयन ट्रायल के दौरान डोप टेस्ट के लिए मूत्र के नमूने नहीं दिए थे। खेल की विश्व नियामक ईकाई यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने भी उन्हें निलंबित किया था।

बजरंग ने इस अस्थायी निलंबन के खिलाफ अपील दायर की थी और नाडा की डोपिंग निरोधक अनुशासन पेनल (एडीडीपी) ने नाडा के आरोपों के संदर्भ में नोटिस जारी करने तक इसे रद्द कर दिया था। नाडा ने रविवार को पूनिया को नोटिस जारी किया। नाडा ने पूनिया को भेजे नोटिस में कहा कि यह आपके लिए औपचारिक नोटिस है कि आपको राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक नियमों की धारा 2.3 के उल्लंघन का दोषी पाया गया है और अब आप अस्थाई रूप से निलंबित हैं। पूनिया को आरोप स्वीकार करने या सुनवाई का अनुरोध करने के लिए 11 जुलाई तक का समय दिया गया है।

## पंत की गिलक्रिस्ट के साथ तुलना.... अभी ठीक नहीं, पूर्व क्रिकेटर इयान स्मिथ का मानना

**सेंट लूसिया (एजेंसी)।** न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर इयान स्मिथ का मानना है कि ऋषभ पंत की एडम गिलक्रिस्ट के साथ तुलना अभी जल्दबाजी होगी लेकिन अगर पंत अपनी वर्तमान फॉर्म को जारी रखता है, तब वह ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज खिलाड़ी के करीब पहुंच सकता है। स्मिथ स्वयं भी विकेटकीपर बल्लेबाज रहे हैं। पंत ने इंडियन प्रीमियर लीग में अच्छा प्रदर्शन किया और टी20 विश्व कप में भी पंत विकेट के आगे और विकेट के पीछे अपनी भूमिकाओं को अच्छी तरह से निभा रहे हैं। पंत को वर्तमान में विश्व क्रिकेट के सबसे प्रतिभाशाली क्रिकेटरों में गिना जाता है। पंत ने ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट शतक लगाए हैं, लेकिन गिलक्रिस्ट की बराबरी पर पहुंचने के लिए उन्हें लंबा रास्ता तय करना है। जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 15000 से अधिक रन बनाने के साथ 800 से अधिक कैच लिए हैं।

स्मिथ ने कहा, पंत ने दुर्घटना के बाद दमदार वापसी की है और वे बेहतरीन फॉर्म में नाराज आ रहे है। वह बेहद कुशल खिलाड़ी है। वह आक्रामक है, वह खतरनाक खिलाड़ी है। गिलक्रिस्ट की तरह पंत ने भी दिखा दिया है कि वह प्रत्येक प्रारूप में किसी भी क्रम में बल्लेबाजी कर सकते हैं। टी20 विश्व कप में उन्हें तीसरे नंबर पर भेजा जा रहा है और उन्होंने अभी तक इस फैसले को सही साबित किया है। स्मिथ ने कहा, 'वह किसी भी खिलाड़ी का अच्छी तरह से साथ निभा सकते हैं फिर चाहे वह कोहली हो या रोहित शर्मा। उन्होंने कहा, 'वह पहली गेंद को ही हिट कर सकता है और गेंद को सीमा रेखा के पास पहुंचा सकता है। उसके पास रन बनाने के अन्य विकल्प भी हैं। पंत ने टीम में केएल राहुल जैसे अच्छे खिलाड़ी की जगह ली है। केएल राहुल विश्व स्तरीय क्रिकेटर है और उसकी जगह लेना मायने रखता है। 26 वर्षीय क्रिकेटर की गिलक्रिस्ट से तुलना करने के लिए हालांकि अभी इंतजार करना होगा। स्मिथ ने कहा, 'गिलक्रिस्ट की बराबरी पर पहुंचने के लिए पंत अभी काफी रास्ता तय करना होगा। दोनों एक तरह के ही क्रिकेटर हैं जो टेस्ट क्रिकेट में निचले क्रम और सीमित ओवरों की क्रिकेट में ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी कर सकते हैं। इसलिए उसमें और गिलक्रिस्ट में समानता है।

# टी20 विश्व कप सुपरआठ : अफगानिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर सबसे बड़ा उलटफेर किया

**– गुरबाज, जादरान ने लगाये अर्धशतक, गुलबदीन ने लिए चार विकेट**

**किंग्सटन (एजेंसी)।** रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान के अर्धशतकों के बाद गुलबदीन नाईब की घातक गेंदबाजी से अफगानिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर आईसीसी टी20 विश्व कप सुपरआठ में सबसे बड़ा उलटफेर किया है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने 6 विकेट पर 148 रन बनाये। इसके बाद 149 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया टीम 127 रनों पर ही आउट हो गयी।





लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम अफगान गेंदबाजों के सामने संघर्ष करती दिखी। तेज गेंदबाज नवीन उल हक ने ऑस्ट्रेलायई टीम को शुरुआती झटके दिये जिससे टीम संभल नहीं पायी। इसके बाद गुलबदीन नाईब ने चार विकेट लेकर कंगारुओं को दबाव में ला दिया। गुलबदीन ने 4 ओवर में 20 रन देकर 4 विकेट लिए। गुलबदीन ने मार्कस स्टोइनिस और अर्धशतक जमाकर खेल रहे ग्लेन मैक्सवेल को आउट किया। इसके बाद टिम डेविड और फिर पैट कमिंस को भी पेवेलियन भेज दिया। केवल मैक्सवेल की कुछ हद तक टिक पाये और उन्होंने 35 गेंदों पर 5 चौके और 3 छक्के जमाते हुए 59 रन बनाये पर अपनी टीम को हारी से नहीं बचा पाये। इस मैच में टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगान टीम ने गुरबाज और जादरान की शतकीय साझेदारी से अच्छी शुरुआत की। गुरबाज ने 60 और जादरान ने 51 रन बनाये। इसके बाद के बल्लेबाजों ने टीम का स्कोर 148 रन तक पहुंचाया।

## जाफर ने मीम शेयर कर ऑस्ट्रेलिया का मजाक उड़ाया

मुम्बई । भारतीय टीम के पूर्व ओपनर वसीम जाफर ने अफगानिस्तान के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की हार के बाद कंगारुओं का मजाक उड़ाया है। जाफर ने इस मैच को लेकर एक मीम शेयर किया है। जाफर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से लगातार एक से बढ़कर एक मीम शेयर किये हैं। जाफर ने जो वीडियो शेयर किया है उसमें आईसीसी में ऑस्ट्रेलिया ने कैसे अफगानिस्तान को हराया था इसको लेकर बात है और साथ ही इसके जवाब में टी20 विश्व कप में अफगान टीम की जीत की भी चर्चा है।

## जब गेंद निकालने स्टेज के नीचे घुसे विराट



एंटीगुआ । आईसीसी टी20 विश्व कप क्रिकेट में भारत और बांग्लादेश के बीच हुए सुपरआठ के दूसरे मुकाबले में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को 50 रनों से हरा दिया। इस मैच में एक ऐसा भी वाकया देखने को मिला जिससे दर्शक भी हैरान हो गये। इस मैच में भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली गेंद निकालने के लिए स्टेज के नीचे घुस गए। विराट ने इस मैच में अच्छी बल्लेबाजी करते हुए 3 छक्के और 1 चौका लगाकर 28 गेंदों पर 37 रन बनाए और दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। वहीं इस मैच में बांग्लादेश की बल्लेबाजी के दौरान उसके बल्लेबाज रिशाद हुसैन ने एक छक्का लगाया और गेंद सीमा रेखा से बाहर रखे एक छोटे स्टेज के नीचे घुस गई पर तब सभी हैरत में पड़ गये जब विराट गेंद निकालने के लिए स्टेज के नीचे घुस गए। उन्होंने गेंद निकाली तब जाकर मैच वापस शुरू हुआ। इसका एक वीडियो भी आया है, इसमें विराट स्टेज के नीचे घुसते दिख रहे हैं।

## हम बहुत स्मार्ट हैं, हम बल्ले और गेंद से अच्छे रहे : रोहित शर्मा

खेल डैस्क । टी20 विश्व कप 2024 में टीम इंडिया टूर्नामेंट में अजेय बनी हुई है। टीम इंडिया का सेमीफाइनल लगभग तय हो गया है। लेकिन उन्हें इसे पक्का करने के लिए गुयाना के मैदान पर उतरना ही होगा। क्या कोई उन्हें रोक सकता है? यह टूर्नामेंट के आगे बढ़ने पर हमें पता चल जाएगा। वहीं, टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने बांग्लादेश के खिलाफ अहम जीत दर्ज करने के बाद अपने खिलाड़ियों की तारीफ की है। रोहित ने साफ शब्दों मे कहा कि सभी खिलाड़ियों का मिला जुला प्रदर्शन ही उन्हें आगे लेकर जा रहा है। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने मैच के बाद बल्लेबाजी में आक्रमण रुख अपनाने पर कहा कि मैं लंबे समय से इस बारे में बात कर रहा हूं। हमें मैदान पर जाकर अपना काम करना होगा। आज सब कुछ ध्यान में रखते हुए हमने परिस्थितियों के अनुरूप ढलकर वास्तव में अच्छा खेला। यहां थोड़ा हवा का प्रभाव है, कुल मिलाकर हम बहुत स्मार्ट हैं, कुल मिलाकर हम बल्ले और गेंद से अच्छे थे। सभी 8 बल्लेबाजों को अपनी भूमिका निभानी होगी, चाहे वह कुछ भी हो। हमने देखा



कि एक खिलाड़ी ने 50 रन बनाए और अब हम 197 रन तक पहुंचे। रोहित ने कहा कि टी20 में मुझे नहीं लगता कि हमें अर्द्धशतक और शतक बनाने की जरूरत है, मायने यह रखता है कि आप गेंदबाजों पर कितना दबाव डालते हैं। शुरू से ही सभी बल्लेबाज इसी तरह खेले। टीम में काफी अनुभव है। वहीं, हार्दिकि के प्रदर्शन पर रोहित ने कहा कि मैंने पिछले गेम में भी कहा था, उसकी अच्छी बल्लेबाजी हमें अच्छी स्थिति में लाती है। हम शीर्ष 5, 6 के बाद अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं। हम जानते हैं कि हार्दिक क्या करने में सक्षम है। वह हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण खिलाड़ी है, अगर वह ऐसा करना जारी रखता है तो यह हमें अच्छी स्थिति में पहुंचा देगा। उत्साह और अगर हम गेंदबाज के साथ कुछ चर्चा करते हैं और जब वह सामने आता है, तो यह अच्छा है।

# मैं ईंट का जवाब पत्थर से देने पर यकीन करता हूं : कुलदीप यादव

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** ग्रोस आइलेट -कुलदीप यादव टी20 क्रिकेट में ईंट का जवाब पत्थर से देने पर यकीन करते हैं और इसी आक्रामक तेवर से भारत के इस कलाई के स्पिनर को वेस्टइंडीज में चल रहे टी20 विश्व कप में अप्रतिम सफलता मिल रही है। पिछले एक साल से अधिक समय से सभी प्रारूपों में भारत के सर्वश्रेष्ठ स्पिनर कुलदीप को अमेरिका में लीग चरण में बाहर रहना पड़ा था। वेस्टइंडीज की स्पिनरों की मददगार पिचों पर वह काफी प्रभावी साबित हो रहे हैं। उन्होंने 2 मैचों में 5 विकेट ले लिए हैं जिसमें बांग्लादेश के खिलाफ शनिवार को मिले तीन विकेट शामिल है।

कुलदीप की सफलता का एक कारण उनकी गेंदबाजी में आक्रामकता भी है। उन्होंने कहा कि वह अपनी लैंग्थ से कभी समझौता नहीं करते। उन्होंने कहा कि दुनिया के किसी भी स्पिनर के लिए लैंग्थ काफी मायने रखती है। इस प्रारूप में तो आपको यह भांपना ही होता है कि बल्लेबाज क्या करने की सोच रहा है। इसके लिए काफी आक्रामक होना पड़ा है। मुझे आईपीएल में भी इससे मदद मिली और अब टी20 विश्व कप में भी। अब आस्ट्रेलिया के खिलाफ सोमवार को उन्हें सबसे कठिन परीक्षा से गुजरना है। यह पूछने पर कि बल्लेबाज जब चौके छक्के लगाने की फिराक में होते हैं, वह अपनी रणनीति पर कैसे अडिग रह पाते हैं।

उन्होंने कहा कि जब सामने वाली टीम को प्रति ओवर 10 या 12 रन चाहिए और बल्लेबाज आपकी गेंदों की धुनाई करने को आतुर हों तो सिर्फ लैंग्थ बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब वह आप पर हमले की कोशिश करें तो आपके पास रणनीति होनी चाहिए। ऐसे में विकेट लेने की संभावना अधिक होती है।

कुलदीप ने संकेत दिया कि उन्हें वेस्टइंडीज में टीम संयोजन की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मैं अमेरिका में नहीं खेला। मैं वहां 12वां खिलाड़ी था और ड्रिंक्स लेकर जा रहा था। यह खेलने जैसा ही था। मैंने वहां गेंदबाजी नहीं की लेकिन करना चाहता था। उन्होंने कहा कि वहां विकेट आस्ट्रेलिया की तरह था। मैंने यहां 2017 में टी20 और वनडे में पदार्पण किया और मुझे हालात का पता था। स्पिनर के लिए यहां गेंदबाजी करना अच्छा अनुभव है।



## नागल ने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया

नई दिल्ली । भारत के शीर्ष टेनिस खिलाड़ियों में शामिल सुमित नागल ने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है। सुमिन ने स्वयं कहा कि उन्होंने पुरुष एकल स्पर्धा के लिए क्वालीफाई किया है। नागल अब दूसरी बार ओलंपिक खेलेंगे। उन्होंने इससे पहले टोक्यो ओलंपिक में भी भाग लिया था। नागल ने सोशल मीडिया पर लिखा, ' मुझे यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि मैंने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है। यह मेरे लिए एक यादगार क्षण है. क्योंकि ओलंपिक मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखता है.' नागल ने कहा, 'टोक्यो ओलंपिक के बाद अब पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना मेरा लक्ष्य था। अब मेरा लक्ष्य सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है।' वहीं अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने कहा कि इससे पहले जब खिलाड़ियों की रैंकिंग पर विचार किया गया था तब नागल वैकल्पिक खिलाड़ियों की सूची में थे पर अब उन्होंने क्वालीफाई कर लिया है। .वहीं भारत के ही रोहन बोपन्ना और एन श्रीराम बालाजी पुरुष युगल स्पर्धा में शामिल होंगे। बोपन्ना को शीर्ष 10 खिलाड़ियों में होने के कारण अपना जोड़ीदार तय करने का अधिकार मिला हुआ था और इसके लिए उन्होंने बालाजी का नाम आगे रखा। जिससे एआईटीए ने मान लिया।

# भारत से मुकाबले के लिए तैयार हैं : मार्श

**– दबाव में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करती है ऑस्ट्रेलिया**

**किंग्सटाउन (एजेंसी)।** ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान मिशेल मार्श ने माना है कि भारत के खिलाफ टी20 विश्वकप के सुपर आठ मुकाबले में उनकी टीम पर जीत हासिल करने का दबाव रहेगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम को अपने दूसरे सुपर आठ मुकाबले में अफगानिस्तान ने उलटफेर का शिकार बनाया था पर मार्श ने कहा कि उनकी टीम इस हार से उबरकर भारत के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने उतरेगी। साथ ही कहा कि उनकी टीम को दबाव में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना आता है। ऑस्ट्रेलियाई टीम अगर भारत के खिलाफ सुपर आठ में हारती है तो वह सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो जाएगी। ऑस्ट्रेलिया को इस मैच में भारत के खिलाफ जीत हासिल करने के साथ ही अपना नेट रन रेट भी बेहतर बनाए रखना होगा। मार्श ने कहा कि यह अहम मैच है और इसमें हमें हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। अगर हमारी इस टीम के इतिहास को देखें तो हमारे खिलाड़ी दबाव में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं। हमारे खिलाड़ी निश्चित रूप से इस कठिन मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार होंगे। उन्होंने कहा कि हमारे लिए चीजें अब स्पष्ट हैं। हमें अपने पर भरोसा रखना होगा। हमारे पास बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं और मेरा मानना है कि हम सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते रहे हैं। हमें सब कुछ भूलकर आगे बढ़ना होगा तभी टीम को सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान के खिलाफ टीम ने कुछ ज्यादा ही रन दे दिये थे। वहीं दिन भी उनके लिए अच्छा नहीं रहा। हार में वह टॉस की भूमिका को नहीं मानते। टीम की हार का कारण खराब प्रदर्शन रहा।

## अश्विन ने गंभीर की तारीफ करते हुए उन्हें एक फाइटर बताया

नई दिल्ली । अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच बनने जा रहे पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर की जमकर प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि गंभीर एक फाइटर हैं पर उन्हें गलत समझा गया है। इसके अलावा वह मेरे लिए प्रेरणास्रोत भी रहे हैं क्योंकि टेस्ट करियर के शुरुआती दिनों में मुझे उनसे काफी सहायता मिली। भारतीय टीम के नये मुख्य को की दौड़ में गंभीर अभी सबसे आगे हैं। वर्तमान कोच राहुल द्रविड़ का कार्यकाल टी20 विश्वकप से समाप्त हो रहा है। गंभीर का हाल ही में बीसीसीआई समिति ने साक्षात्कार भी लिया था। ऐसे में गंभीर के कोच बनने की अटकलों को देखते हुए अश्विन ने गंभीर की प्रशंसा करते हुए साल 2012 की एक घटना को याद किया। उन्होंने कहा, मैं अपनी पहली श्रृंखला खेल रहा था। तब गंभीर ने मुझे मेरे करियर की शुरुआत में बहुत आत्मविश्वास दिया। मुझे जबकि ऐसी उम्मीद नहीं थी। उन्होंने कहा, गंभीर को बहुत गलत समझा जाता है। यह सब धारणा है कि वह बेहद सख्त हैं पर । हममें से कई लोगों के साथ सबसे बड़ी समस्या यह है कि हम अपने दिमाग में किसी एक को हीरो बना देते हैं और अन्य लोगों को भूल जाते हैं। गंभीर एक प्रतियोगी है। जीतने की उसकी इच्छा और भूख अविश्वसनीय है। मेरे मन में उसके लिए बहुत सम्मान है।

# सूर्यकुमार को मिला बैस्ट फील्डर का मैडल, विव रिचर्ड्स ने पंत को देखकर दी बड़ी मुस्कान

**नॉर्थ साउंड (एंटीगुआ) (एजेंसी)।** टी20 विश्व कप सुपर-8 मैच में बांग्लादेश पर भारत की 50 रनों की जीत के बाद वेस्टइंडीज के महान सर विवियन रिचर्ड्स ने सूर्यकुमार यादव को बेस्ट फील्डर का मेडल दिया। एंटीगुआ में सूर्यकुमार ने लिटन दास को आउट करने के लिए दौड़ते हुए कैच लिया था। इसको लेकर टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम में फील्डिंग कोच टी दिलीप ने घोषणा की कि यह पुरस्कार वेस्टइंडीज के महान खिलाड़ी द्वारा दिया जाएगा, जिनके नाम पर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम का नाम रखा गया है।

दिलीप ने बीसीसीआई द्वारा सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो में कहा कि आज हमारे पास एक सच्ची किंवदंती है, जिसका नाम मैदान पर निडर खेल और बेजोड़ करिश्मा का पर्याय है। हर मायने में गेमचेंजर, जिसने हर मायने में दिखाया; महानता के लिए प्रयास करने का क्या मतलब है। यह कोई और नहीं बल्कि सर विवियन रिचर्ड्स हैं।

सूर्यकुमार को सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक पदक प्रदान करने के बाद रिचर्ड्स ने हंसते हुए कहा कि मैं केवल यह कह सकता हूं कि अगर विंडीज टीम विश्व कप में अपना काम पूरा नहीं कर पाई तो मैं आपके कमरे में वापस आ जाऊंगा। रिचर्ड्स ने दुर्घटना के बाद वापसी के लिए ऋषभ पंत की भी सराहना की और कहा कि पंत तुम जिस दौर से गुजर चुके हो उसके बाद तुम्हें वापस आते देखना बहुत अच्छा है। हमें महान प्रतिभा की कमी महसूस होगी और वास्तव में तुम भविष्य में क्या पेश कर सकते हो। विंडीज दिग्गज ने टूर्नामेंट में अब तक भारत के प्रदर्शन की सराहना करते हुए समापन किया।

बांग्लादेश के कप्तान नजमुल शान्तो ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। भारतीय टीम ने हार्दिक पांड्या के 50, विराट के 37, ऋषभ पंत के 36, शिवम दुबे के 34 रनों की बदौलत 5 विकेट खोकर 196 रन बनाए। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की टीम 8 विकेट गंवाकर 146 रन बनाने में ही सफल रही और 50 रनों से मुकाबला गंवा दिया। भारत के लिए कुलदीप यादव ने 3, बुमराह और अर्शदीप ने 2-2 विकेट लिए।

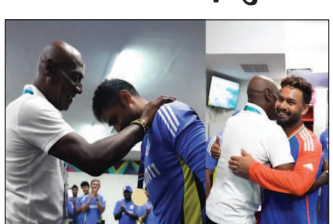



## कमिंग टी20 विश्वकप में दो बार हैट्रिक लगाने वाले पहले गेंदबाज बने

सेंट विंसेंट। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने इस टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट में दूसरी बार हैट्रिक लेकर एक नया रिकार्ड बनाया है। कमिंस टी-20 विश्व कप के दो मैचों में लगातार हैट्रिक लेने वाले विश्व के पहले गेंदबाज बने हैं। कमिंस ने सुपर आठ के पहले मैच में बांग्लादेश और दूसरे मैच में अफगानिस्तान के खिलाफ हैट्रिक लगायी है। कमिंस ने अफगानिस्तान के खिलाफ 18वें ओवर की अंतिम गेंद पर राशिद खान को आउट किया। इसके बाद 20वें ओवर की शुरुआती दो गेंदों में उन्होंने करीम जनत और गुलबदीन नईब के विकेट लेकर अपनी हैट्रिक पूरी की। इससे पहले बांग्लादेश के खिलाफ भी कमिंस ने इसी प्रकार 17 ओवर की अंतिम दो गेंदों और 18 ओवर की पहली गेंद पर विकेट लिया था। . टीम 20 विश्व कप की पहली हैट्रिक साल 2007 में खेले गए शुरुआती सत्र में ऑस्ट्रेलिया के ब्रेट ली ने बांग्लादेश के खिलाफ लगायी थी। इसके बाद दूसरी हैट्रिक 14 साल बाद कर्टिस कैम्फर ने 2021 में नीदरलैंड्स के खिलाफ लगायी ली। उस सत्र में वानिंदु हसरंगा और कागिसो रबाडा ने भी ये कारनाम किया था जबकि 2022 सत्र में कार्तिक मेयप्पन और जोश लिटिल ने हैट्रिक ली थी।

# SVNM ट्रस्ट द्वारा आयोजित "उजियाला" कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न

**सूरत ।** "आंखें", परमात्मा ने मनुष्य को दिया हुआ अनमोल उपहार है। दुनिया कितनी भी खूबसूरत हो, आंखों के बिना बेरंग और अंधकारमय है। नेत्रों की पूरी देखभाल के साथ ही सभी को समय-समय पर आंखों की जांच करानी चाहिए, तभी हम अनावश्यक अंधेपन को रोक सकते हैं।" इसी उमदा संदेश और दृष्टिहीनता के प्रति जनजागृति के लिए सूरत स्थित स्वामी विवेकानंद नेत्र मंदिर(SVNM) ट्रस्ट द्वारा रविवार, 23 जून को अठवालाइन्स स्थित इंडौर स्टेडियम में "उजियाला - दृष्टि से सृष्टि की ओर" इवेंट का आयोजन किया गया था। राज्य के गृहमंत्री श्री हर्ष संघवी मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम में उपस्थित रहे थे।

रविवार को सुबह 9:00 से दोपहर 1:00 बजे तक आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत दृष्टिहीन लोगों द्वारा एक लाइव म्यूज़िक बैंड से हुई थी। उनके इस हुनर ने सभी का मन मोह लिया। इसके बाद, SVNM ट्रस्ट द्वारा अंधेपन की रोकथाम के लिए किए जाने वाले कार्य तथा मानव जीवन को प्रेरित करके नई ऊर्जा देने वाली सच्ची कहानी प्रस्तुत की गई थी। अंधेपन से पीड़ित जरूरतमंद लोगों को आंखों की निशुल्क सर्जरी प्रदान करने के SVNM ट्रस्ट के मिशन में जुड़ने और इसे सहयोग देते हुए इस कार्यक्रम में 4500 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में चिकित्सकों एवं वक्ताओं ने आंखों की नियमित जांच पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि, अनावश्यक अंधेपन से मुक्त रहने के लिए साल में कम से कम एक बार आंखों की जांच बहुत जरूरी है। सभी को नियमित रूप से आंखों की जांच करानी चाहिए। ग्लूकोमा, झामर एक आनुवांशिक बीमारी है, जो विरासत में मिलती है। इसलिए अगर घर में किसी को ग्लूकोमा है, तो नियमित रूप से आंखों की जांच जरूरी है। इसके अलावा मधुमेह होने पर व्यक्ति को नियमित रूप से आंखों के पर्दे के डोक्टर को दिखाना चाहिए। अगर आंखों की जांच न कराई जाए तो आंखों की रोशनी धीरे-धीरे कम होने लगती है। यदि किसी बच्चे का जन्म समय से पहले हो गया है, तो जन्म के एक महीने के भीतर किसी नेत्र चिकित्सक को दिखाना चाहिए। उपचार के बिना, बच्चा जीवनभर देख नहीं पाएगा। मोतियाबिंद हर किसी को होता है। अंधेपन की पीड़ा से बचने के लिए समय पर मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराना भी बेहद जरूरी है।

SVNM ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं आंखों के पर्दे के डॉ. भाविन पटेल ने कहा कि, हमारी संस्था प्रिवेंशन ऑफ़ ब्लाइंडनेस (दृष्टिहीनता की रोकथाम) और इसके बारे में जागरूकता फैलाने के लिए समर्पित है। आज गुजरात में 6 लाख सहित पूरे देशभर में लगभग एक करोड़ लोग अंधेपन से पीड़ित हैं। यदि नियत समय के दौरान आंखों की जांच की जाए तो 80 प्रतिशत मामलों में अकारण दृष्टिहीनता को रोका जा सकता है। ट्रस्ट द्वारा समय-समय पर आंखों का जांच शिविर, आंखों की देखभाल पर सेमिनार और वर्कशॉप और जागरूकता अभियान का आयोजन किया जाता है। ट्रस्ट द्वारा गरीब एवं जरूरतमंद लोगों की आंखों के उपचार एवं आंखों की सर्जरी निशुल्क उपलब्ध कराई जाती है। ट्रस्ट ने अंधत्व के उपचार से वंचित लोगों तक पहुंचने तथा अंधत्व से मुक्ति दिलाने के लिए आवश्यक किसी भी तरीके से उपचार कराने की जिम्मेदारी ली है। SVNM ट्रस्ट का सूत्र "सेव विज़न, सेव लाइफ" ( दृष्टि बचाओ, जीवन बचाओ) है और समाज से बिन ज़रूरी अंधत्व को दूर करना, इसका मिशन है।

# कैलाश हाकिम अध्यक्ष, राजेश दोदराजका सचिव बने

सूरत। श्री श्याम सेवा ट्रस्ट की नई कार्यकारिणी का गठन रविवार को वीआईपी रोड़ स्थित श्री श्याम मंदिर, सूरतधाम में किया गया। कार्यकारिणी में सर्वसम्मति से कैलाश हाकिम को अध्यक्ष, राजेश दोदराजका को सचिव एवं केदारनाथ अग्रवाल को कोषाध्यक्ष बनाया गया। इसके अलावा कमल टाटनवाला एवं बसंत अग्रवाल (अड़ाजन) को उपाध्यक्ष, ओम सिहोटिया एवं दिनेश अग्रवाल को सहसचिव, रामावतार सिहोटिया एवं राजेश अग्रवाल (बबलू) को सहकोषाध्यक्ष बनाया गया। विनोद कानोड़िया को कार्यालय प्रभारी बनाया गया। कार्यकारिणी में कुल 25 सदस्य होंगे। इस मौक़े पर सभी ने एक दूसरे को शुभकामनाएँ दी। इसके पूर्व सुबह ग्यारह बजे से श्री श्याम सेवा ट्रस्ट की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन किया गया। जिसमें मंदिर की आय-व्यय का लेखा जोखा, सचिव की रिपोर्ट एवं भावी योजनाओं के बारे में बताया गया।

# "लेडीज सिंगाथोन" का हुआ आयोजन

सुरत भुमि, सूरत। ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस ग्रुप एवं सांची हेल्थ केयर फाउंडेशन द्वारा वर्ल्ड म्यूजिक डे के अवसर पर एक अनूठा कार्यक्रम "लेडीज सिंगाथोन" का आयोजन रविवार को किया गया। ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस ग्रुप की पूनम पाराशर ने बताया कि आयोजन में सूरत की पचास से ज़्यादा महिला गायिकाओं ने हिस्सा किया एवं गीतों की शानदार प्रस्तुत दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ मुकेश पराशर ने किया एवं मुख्य अतिथि के रूप में जीएसटी अधिकारी गोपी भुवालका एवं विक्रम सालेचा उपस्थित रहें।

## हाईलाइफ ब्राइड्स, भारत की सबसे बड़ी फैशन प्रदर्शनी कंपनी हाईलाइफ एग्जिबिशन द्वारा बेंचमार्क ब्राइडल एग्जिबिशन 25 और 26 जून को सूरत के होटल मैरियट में आयोजित किया जाएगा

**सुरत भुमि, सूरत।** हाईलाइफ ब्राइड्स, भारत की सबसे बड़ी फैशन प्रदर्शनी कंपनी हाईलाइफ एग्जिबिशन द्वारा बेंचमार्क ब्राइडल एग्जिबिशन 25 और 26 जून को सूरत के होटल मैरियट में आयोजित किया जाएगा। इस बेंचमार्क ब्राइडल प्रदर्शनी में ब्राइडल वियर, ज्वैलरी कलेक्शन, ब्राइडल कॉउचर, डिजाइनर परिधान, फैशन एक्सेसरीज़ और अन्य विभिन्न कलाकृतियों के लिए एक जीवंत मंच प्रदान करता है, ताकि प्रतिष्ठित स्थानों पर अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया जा सके। हाईलाइफ़ ब्राइड्स त्योहारी सीज़न के लिए फैशन स्टेटमेंट बनाने की चाह रखने वाले फैशन के प्रति उत्साही लोगों के लिए हाईलाइफ ब्राइड्स की मुलाकात जरूरी है, जहां आपको साड़ी, शरारा, लहंगा, टोपी, जैकेट, डिजाइनर वस्त्र, आश्चर्यजनक आभूषण, पारंपरिक डिजाइनर परिधान, कलाकृतियां और बहुत कुछ नवीनतम संग्रह दिखाई देंगे। आइए और 25 और 26 जून को मैरियट, अठवालाइन्स, सूरत में हाईलाइफ ब्राइड्स में सर्वश्रेष्ठ फैशन संग्रह की खरीदारी करें।

# न्यूटन स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी ने अजिंक्य डीवाई पाटिल विश्वविद्यालय के साथ मिलकर पुणे में शुरू किया बी.टेक सीएस और एआई कार्यक्रम

**पूणे।** रिषीहुड विश्वविद्यालय के साथ अपने पहले सफल ऑन-कैंपस अंडरग्रेजुएट कार्यक्रम के बाद, न्यूटन स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी (NST) ने पुणे में अजिंक्य डीवाई पाटिल विश्वविद्यालय (ADYPU) के साथ साझेदारी की घोषणा की है। यह विशेष सहयोग भारत का पहला उद्योग-प्रेरित, वैश्विक बी.टेक डिग्री कार्यक्रम प्रदान करेगा, जिसमें कंप्यूटर साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शामिल हैं। इस साझेदारी के माध्यम से NST को भारत के सभी हिस्सों से भारी मात्रा में आवेदन प्राप्त हो रहे हैं। अब दक्षिण और पश्चिम भारत के छात्र भी इस उत्कृष्ट टेक शिक्षा का लाभ उठा सकेंगे।

चार साल का यह आवासीय अंडरग्रेजुएट कार्यक्रम न्यूटन स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी की उच्च शिक्षा में क्रांति लाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह कार्यक्रम उन्नत उद्योग-संबंधित पाठ्यक्रम प्रदान करके छात्रों को भविष्य के टेक लीडर्स बनने के लिए तैयार करता है।

इस साझेदारी का उद्देश्य आधुनिक तकनीकी विशेषज्ञता को एकीकृत करके बी.टेक सीएस और एआई के छात्रों में उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा देना है। यह कार्यक्रम UGC और AICTE द्वारा अनुमोदित है, जो उच्च गुणवत्ता और भविष्य के लिए उपयुक्त शिक्षा सुनिश्चित करता है।

अजिंक्य डीवाई पाटिल विश्वविद्यालय (ADYPU) के साथ साझेदारी के बारे में बोलते हुए, न्यूटन स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी के सह-संस्थापक सिद्धार्थ महेश्वरी ने कहा, "रिषीहुड विश्वविद्यालय के साथ NST की सफलता ने हमें अपनी उपस्थिति का विस्तार करने के लिए प्रेरित किया है। ADYPU के साथ यह साझेदारी छात्रों को विश्व स्तरीय शिक्षा प्रदान करेगी और उन्हें भविष्य के टेक लीडर्स बनने के लिए तैयार करेगी। हम छात्रों को वास्तविक जीवन की चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करने के लिए उत्सुक हैं। NST के प्रमुख बैच के छात्रों ने अपने पहले वर्ष में ही उल्लेखनीय वैश्विक पहचान हासिल की है।"

उन्होंने आगे बताया "हमारे छात्रों ने ICPC रीजनल्स के लिए क्वालिफाई किया है, जो विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित कोडिंग प्रतियोगिता है। पहले वर्ष की छात्रा मेहक ने गूगल समर ऑफ कोड 2024 के माध्यम से रू1.25 लाख की इिं टनयश्शप प्राप्त की है। मेहक उन 1220 योगदानकर्ताओं में से एक है जिन्हें 73 देशों से चुना गया है, जो NST के छात्रों की क्षमता और योग्यता का प्रमाण है।"

इस पाठ्यक्रम को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुसार तैयार किया गया है। जिसे स्ब्ढ्ढञ्ज और स्टैनफोर्ड जैसे प्रसिद्ध संस्थानों की फैकल्टी और प्रमुख MAANG कंपनियों के अनुभवी प्रोफेशनल्स द्वारा डिज़ाइन किया गया है। यह पाठ्यक्रम छात्रों को आलोचनात्मक रूप से सोचने, जटिल समस्याओं को हल करने और तेज-रफ्तार तकनीकी प्राथमिकता वाले माहौल में सफलता सुनिश्चित करने के लिए तैयार करता है।

यह सहयोग शिक्षा और बेहतर अवसरों को एक साथ लाता है। जिससे महत्वाकांक्षी छात्रों के लिए सर्वोत्तम सीखने का अनुभव और करियर परिणाम सुनिश्चित होते हैं। ह्रस्ञ्ज में अगले दौर के प्रवेश के लिए आवेदन किए जा सकते हैं।

अजिंक्य डी वाई पाटिल विश्वविद्यालय (ADYPU) के अध्यक्ष, डॉ. अजिंक्य डी वाई पाटिल ने कहा, "न्यूटन स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी के साथ हमारा सहयोग प्रौद्योगिकी में नवाचार को बढ़ावा देने और स्थायी विकास को बढ़ावा देने की हमारी खोज में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम सामूहिक विशेषज्ञता की शक्ति का उपयोग करने और सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए तैयार हैं, जो पूरे तंत्र के सभी संबंधित लोगों को लाभान्वित करेगा।"

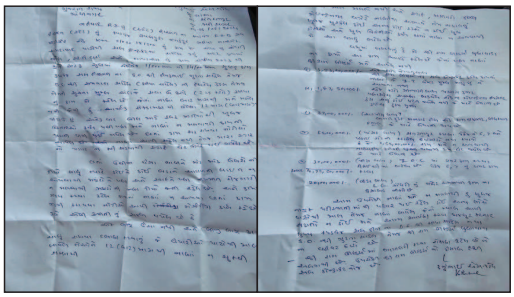

# गुजरात कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन के सदस्य श्री कनुभाई पटेल की आत्महत्या, उन्हें न्याय दिलाने की बात





गुजरात कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन के सदस्य श्री कनुभाई पटेल ने 15-06-2024 को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। श्री कनुभाई पिछले 35 वर्षों से मार्ग-मकान विभाग में ठेकेदारी का कार्य कर रहे थे। उसके भाई के मुताबिक एफआईआर दर्ज की गई है और प्राप्त सुसाइड नोट के अनुसार, कनुभाई द्वारा किये गये विभिन्न कार्यों के तहत लगभग 472 लाख की बड़ी राशि का भुगतान नहीं किये जाने के कारण यह राशि रुकी हुई थी।जिसमें कपडवंज उपमंडल में एक सड़क के कार्य का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है। जिसमें समय-समय पर उचित अभ्यावेदन देने के बावजूद भी पिछले 12 माह से अधिक समय से 225 लाख की राशि रोकी गई है, कपडवंज उपमंडल के उपकार्यपालन अभियंता श्री जिगर कडिया एवं पर्यवेक्षक श्री दीपक गुप्ता ने अधिक प्रतिशत की मांग की तथा कार्य प्रगति पर होने पर भी अनावश्यक गलत नोटिस देकर मानसिक प्रताड़ना दी। वह इस बात के प्रति संवेदनशील था कि पैसा रुक जाने के कारण काम जारी न हो सके, वह ब्याज पर पैसा लेता था और काम पूरा करने के लिए माल और मजदूरी के पैसे देता था। वे काफी समय से नाजुक और असहाय स्थिति का सामना कर रहे थे। सरकारी अधिकारियों के क्रूर और अमानवीय व्यवहार के कारण यह स्थिति निर्मित हुई और उन्हें आत्महत्या करने के लिए मजबूर होना पड़ा। ऐसी शर्मनाक घटना को लेकर सभी ठेकेदार बंधुओं में गहरा आक्रोश है जिसकी घोषणा प्रत्येक जिले के ठेकेदार संघ ने उस जिले के कलेक्टर एवं कार्यपालन यंत्री को शिकायत पत्र देकर की है।

ऐसी स्थिति पैदा करने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति जहां हमारे ठेकेदार भाई को इस हद तक परेशान किया गया कि उसे आत्महत्या करनी पड़ी, उसे गिरफ्तार नहीं किया गया है और उसके निलंबन के आदेश अभी तक लागू नहीं किए गए हैं। कनुभाई द्वारा किए गए कार्य का उचित भुगतान सुनिश्चित करने के लिए और जिम्मेदार व्यक्ति के खिलाफ आवश्यक सख्त कार्रवाई करने, उनके परिवार की तुरंत मदद करने सरकार से यथासंभव वित्तीय सहायता प्रदान करने का अनुरोध है।

# एसके सूरत मैराथन की तैयारियां जोरों पर, भारी संख्या में हो रहे रजिस्ट्रेशन

**सुरत भुमि, सूरत ।** सिल्क सिटी और डायमंड सिटी के नाम से जानी जाने वाली सूरत नगरी अब एक नए उत्सव के लिए जानी जाएगी, वो है हेल्थ। हेल्थ अवेयरनेस के लिए 30 जून को शहर में होने वाली एसके सूरत मैराथन के प्रति युवाओं का जोश देखने को मिल रहा है। सूरत में होने वाली मैराथन के लिए रजिस्ट्रेशन में युवाओं का हुजूम उमड़ रहा है। रजिस्ट्रेशन की भारी संख्या में युवाओं के साथ ग्रहणियों का उत्साह भी देखने लायक है। एसके सूरत मैराथन में हजारों की संख्या में रनर्स भाग लेंगे।

एसके सूरत मैराथन शहर का पहला संस्करण है लेकिन मैराथन के प्रति उत्साह और उन्माद का सुरूर सिर चढ़कर बोल रहा है। आईआईईएमआर और एसके फाइनेंस के संयुक्त तत्वावधान में होने वाली एसके सूरत मैराथन की तैयारियां भी अपने अंतिम पड़ाव पर है। बिब डिस्ट्रीब्यूशन की तारीख जल्दी ही घोषित की जाएगी।

**यूथ और महिलाओं का रजिस्ट्रेशन फ्री -**

देश की सबसे बड़ी मैराथनों में शुमार जयपुर मैराथन के आयोजक मुकेश मिश्रा एसके मैराथन के भी आयोजक हैं। आयोजन को लेकर जानकारी देते हुए श्री मुकेश मिश्रा ने बताया कि जयपुर मैराथन के बाद लोगों में हेल्थ को लेकर अवेयरनेस आयी है। रनिंग कल्चर को भी बढ़ावा मिला है। वही इम्पेक्ट सूरत में भी देखने को मिल रहा है। यूथ और महिलाओं की हिस्सेदारी को बढ़ाने के लिए इनका रजिस्ट्रेशन निःशुल्क किया जा रहा है। एसके सूरत मैराथन के माध्यम से सूरत में रनिंग कल्चर को बढ़ाने के साथ साथ सूरत को सबसे स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर शहर बनाने का संदेश भी दिया जाएगा।

**सूरतवासियों को पहली पसंद 'ड्रीम रन' -**

वहीं रजिस्ट्रेशन प्रोसेस की जानकारी देते हुए मैराथन समन्वयक डेनी निरबान ने बताया कि एसके मैराथन में 21 किमी. 10 किमी. और 5 किमी. की टाइम रन के साथ 3 किमी. की ड्रीम रन भी रखी गयी है। ड्रीम रन में ग्रहणियों की भागीदारी सबसे ज्यादा है। www.suratmarathon.in पर रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है। बता दें कि सूरत पुलिस भी इस आयोजन में सहयोग कर रही है।

# ट्राफिक पुलिस ने वाहन चालक को बेरहमी से पीटा

**सुरत भुमि, सूरत ।** सलाबातपुरा पुलिस स्टेशन के अंतर्गत रघुकुल टेक्सटाइल मार्केट से कपड़ों का पार्सल भरकर गाड़ी से ट्रांसपोर्ट की ओर ले जा रहे समीर सलीम एवं फैजल समीर शाह को टीआरबी पुलिस के जवान ने लाठी से मारा तुरंत रोड के ऊपर गिर गया बेहोश हो गया उसके बाद टीआरबी के जवान एवं ट्रैफिक पुलिस ने कॉलर पड़कर घसीटा रोड के ऊपर यह कहेते हुऐ कि नखणे दिखा रहा है उसके परिजनों को सूचना मिली तुरंत ही ऑटो रिक्शामें लेटाकर मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में लेकर गये डाकटर ने एडमिट करने को कहा दो घंटे के बाद होस आया ।

उसके बाद पुलिस स्टेशन से 100 नंबर पीसीआर बैंन आई हॉस्पिटल मेंऔर समीर को पकड़ कर ले गई पुलिस थाने में बंदकर दिया जो की टीआर बी के जवान ने लाठी से मारा था उसको थाने में बंद करना था लेकिन सलाबतपुरा पुलिस ने एसा नहीं किया पुलिस के काले कारनामों को छुपाया गया और बेकसुर पार्सल का काम करने वाले मजदूर को मारा गया थाने में बंद कर दिया गया।

सलीम शाह ने बताया की गाड़ी के ऊपर से पार्सल एक नीचे गिर गया था उसके बाद समीर साह ने फैजल शाह को फोन करके मदद के लिए बुलाया था गाड़ी के ऊपर पार्सल लोड करने के लिए जिसके बाद गाड़ी को ट्रांसपोर्ट के लिए रवाना किया तुरंत ही टीआरबी पुलिस के जवान ने गाड़ी को रुकवाया साइड लगवाया लाइसेंस पीयूसीकागज मांगा और गाड़ीका चाबी निकाल लिया समीर ने कहा चाबी आप नहीं निकाल सकते हो गाड़ी रुकवाने का आपके पास अथॉरिटी नहीं है इस बात को लेकर कहा सुनी हुई और टीआरबी के जवान ने तुरंत ही लाठी से अचानक वार कर दिया लगातार दो-तीन बार लाठी से वार किया। और जान से मारने की धमकी दिया कहा कि तुम्हारी गाड़ी को जमा करेंगे रोड पर चलने नहीं देंगे जिला प्रशासन को इस पर ध्यान देना चाहिए और कार्रवाई करना चाहिए।

# खिलाड़ी ड्रीम जीने के लिए तैयार हो जाइए! 'खतरों के खिलाड़ी 14' और हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड आपको दे रहा है 'खास खिलाड़ी ऑफ द सीज़न' बनने का मौका




13 साल से अधिक समय से, कलर्स का 'खतरों के खिलाड़ी' स्टंट-आधारित मनोरंजन का बेमिसाल चैंपियन रहा है, जो डर से लड़ने के हैरान करने वाले पलों से भरा रहा है। अपनी रोमांच बढ़ाने वाली विरासत को आगे बढ़ाते हुए, इसका नया सीज़न संभव काम करने की सीमाओं को आगे बढ़ाने और प्रतियोगियों को रोमानिया में असाधारण डेयरडेविल में बदलने का वादा करता है। इतने सालों में, कई आम लोगों ने शो के प्रतियोगियों और इसके अदम्य मेज़बान रोहित शेट्टी के साथ फ्रेम साझा करने का सपना देखा है। पहली बार, यह सपना किसी भाग्यशाली व्यक्ति के लिए हकीकत बन जाएगा। एक प्रसिद्ध ऑटोमोबाइल निर्माता, हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड ("हुंडई") मनोरंजन की दुनिया और ऑटोमोटिव के एकीकरण में एक रोमांचक उपलब्धि हासिल करते हुए, पहली बार प्रेजेंटिंग प्रायोजक के रूप में शो में शामिल हुई है। इस अनूठे सहयोग में एक एडवेंचरस ट्विस्ट लाते हुए, हुंडई रोमांच के फैक्टर को एक पायदान ऊपर ले जा रही है, एक वाइल्ड राइड की गारंटी दे रही है जो हर किसी को अपनी सीटों पर चिपकाए रखेगा। शो के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ते हुए, इस प्रेजेंटिंग प्रायोजक ने किसी आम व्यक्ति के लिए पहली बार खिलाड़ी ड्रीम को जीने के जीवन में एक बार मिलने वाले अवसर के द्वार खोल दिए हैं। 'हुंडई ड्राइव टू विन कॉन्टेस्ट' के माध्यम से, एक लकी कार उत्साही को प्रतिष्ठित खिताब च्खास खिलाड़ी ऑफ द सीज़नज् से सम्मानित किया जाएगा। थ्रिल-सीकर्स को बस अपने नज़दीकी हुंडई शोरूम में जाना होगा और एक कार की टेस्ट ड्राइव लेनी होगी और 5 भाग्यशाली थ्रिल-सीकर्स को सीज़न के फिनाले में शामिल होने का मौका मिलेगा, और एक फाइनलिस्ट थ्रिल-सीकर को शो के फाइनलिस्ट के साथ स्टंट करने और एक हुंडई कार जीतने का मौका मिलेगा। संदेश ज़ोरदार और स्पष्ट है, 'अगर आप में जीतने की इच्छा है, तो बस जीतने के लिए ड्राइव करें'।

वायकॉम18 के हेड-नेटवर्क सेल्स, महेश शेट्टी ने कहा, "खतरों के खिलाड़ी रोमांच बढ़ाने वाले मनोरंजन का प्रतीक रहा है, जहां प्रतियोगी अपने गहरे डर का सामना करते हैं और चुनौतियों पर जीत पाने के लिए अपनी सीमाओं को पार करते हैं। इस सीज़न में प्रेजेंटिंग प्रायोजक के रूप में प्रसिद्ध ऑटोमोबाइल निर्माता, हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड ने डेब्यू किया है, जो शो के इतिहास में एक रोमांचक उपलब्धि है। उत्कृष्टता और रोमांच के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के साथ, हुंडई खतरों के खिलाड़ी के दिल की धड़कने बढ़ाने वाले एक्शन में इंटरैक्टिविटी का अभूतपूर्व तत्व जोड़ता है। यह नवीन साझेदारी रोज़मर्रा के नायक को 'खास खिलाड़ी ऑफ द सीज़न' के रूप में स्पॉटलाइट में आने और टेलीविज़न पर स्टंट करने का जीवन में एक बार मिलने वाला अवसर प्रदान कर रही है, जो इस डेरिंग रियलिटी शो में भी पहली बार होगा। हमारा प्रयास दर्शकों के साथ जुड़ाव बढ़ाना, ब्रैंड की धारणा को मजबूत करना, और रोमांचकारी अनुभव के माध्यम से दर्शकों को अतिरिक्त महत्व देना है।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)